संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 282
पृष्ठ 8
गुरूवार
02 जुलाई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सावन में बनाएं मीठी आलू...

विचार- अमेरिका-ईरान युद्धविराम कैसे...

खेल- ईशान किशन बने टी20 के नंबर-1...

सहारनपुर में सीएम योगी बोले-

ऐसी पीढ़ी तैयार करनी है जो देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाए

सहारनपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को सहारनपुर से राज्यव्यापी स्कूल चलो अभियान–2026 के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया। सीएम योगी निर्धारित समय से करीब सवा घंटे की देरी से सहारनपुर पहुंचे। उनका विमान सरसावा एयरपोर्ट पर उतरा, जहां से वह सीधे कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना हुए। कार्यक्रम के दौरान सीएम ने शिक्षा को व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि अच्छी शिक्षा ही अच्छे नागरिक, शिक्षक, अधिकारी, चिकित्सक, इंजीनियर और जनप्रतिनिधि तैयार करती है। कार्यक्रम में मंच से जनता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी जिस भी क्षेत्र में आगे बढ़े, वह

आत्मविश्वास के साथ समाज और राष्ट्र निर्माण में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सके, इसी उद्देश्य से वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में श्स्कूल चलो अभियानश की शुरुआत की गई थी। सुबह से हो रही बारिश के बावजूद जनता रोड स्थित महाराज सिंह डिग्री कॉलेज मैदान में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग जुटे रहे। मुख्यमंत्री का आगमन पहले सुबह 11:15 बजे प्रस्तावित था, लेकिन उनका कार्यक्रम सवा घंटा देरी से शुरू हुआ। प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान के सकारात्मक परिणाम इसलिए सामने आए क्योंकि सरकार की नीयत साफ थी और शिक्षा के उन्नयन के लिए स्पष्ट नीति बनाई गई। बिना किसी भेदभाव के सरकारी योजनाओं का लाभ हर बच्चे तक पहुंचाने के संकल्प के साथ सरकार लगातार काम कर रही है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 में बेसिक शिक्षा परिषद के केवल 36 प्रतिशत विद्यालय ही आवश्यक सुविधाओं से पूरी तरह संतृप्त थे। अधिकांश स्कूलों में शौचालय, स्वच्छ पेयजल, फर्नीचर, पुस्तकालय, मिड–डे मील के लिए रसोईघर और चारदीवारी जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। उन्होंने बताया कि सरकार ने स्थिति बदलने के लिए ऑपरेशन कायाकल्प शुरू किया। इसके तहत जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और समाज के विभिन्न वर्गों के सहयोग से बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में व्यापक स्तर पर आधारभूत सुविधाएं विकसित की गईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन कायाकल्प के तहत प्रत्येक विद्यालय के लिए स्पष्ट मानक तय किए गए। इनमें बालक और बालिकाओं के लिए अलग–अलग शौचालय, स्वच्छ पेयजल, फर्नीचर, पुस्तकालय, मिड–डे मील की समुचित व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य प्रत्येक बच्चे को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि वह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य को मजबूत बना सके। सीएम योगी ने कहा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। यदि कोई बच्चा स्कूल नहीं जाता है तो यह केवल उसके परिवार की नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की भी क्षति है। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही भविष्य में डॉक्टर, इंजीनियर, उद्यमी, जनप्रतिनिधि और समाजसेवी बनेंगे। इसलिए ऐसी पीढ़ी तैयार करनी होगी जो राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभाए। उन्होंने इसे पूरे समाज का राष्ट्रीय दायित्व बताया।

'डिजिटल इंडिया' ने भारत को दुनिया में नयी पहचान दिलाई : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली,एजेंसी। एक जुलाई (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरकार की 'डिजिटल इंडिया' पहल की सराहना करते हुए बुधवार को कहा कि इसने शासन के तौर–तरीकों को नया स्वरूप दिया, नागरिकों को सशक्त बनाया और जीवन के हर पहलू को प्रभावित कर सर्वांगीण विकास को गति दी है।

मोदी ने कहा कि 'डिजिटल इंडिया' के 11 वर्ष ने भारत को दुनिया में नयी पहचान दिलाई है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज, डिजिटल इंडिया पहल की शुरुआत के 11 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस पहल ने शासन के तौर–तरीकों को नया स्वरूप दिया, नागरिकों को सशक्त बनाया और सर्वांगीण विकास को गति दी है। इसने जीवन के हर पहलू को प्रभावित किया है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि सुगम डिजिटल भुगतान और पारदर्शिता के साथ लाभार्थियों तक प्रत्यक्ष लाभ अंतरण से लेकर विस्तृत होती डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना तक, प्रौद्योगिकी लोगों का जीवन आसान बनाने का एक सशक्त माध्यम बन गई है।

उन्होंने कहा, ''डिजिटल इंडिया ने नवोन्मेष की लहर को देश के हर हिस्से, विशेषकर गांवों और 'टियर–2' और 'टियर–3' के शहरों तक पहुंचाया है।''

मोदी ने कहा कि देश के हर कोने के युवा उद्यमी, स्टार्टअप और नवोन्मेषक दुनिया के सामने मौजूद गंभीर चुनौतियों के समाधान तैयार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस पहल ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, वाणिज्य और सार्वजनिक सेवाओं की आपूर्ति को मजबूत किया है तथा शासन को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और सुलभ बनाया है।

मोदी ने कहा कि डिजिटल क्षेत्र में सरकार की कोशिशों से यह सुनिश्चित हुआ है कि भारत कृत्रिम मेधा (एआई), सेमीकंडक्टर और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ''इससे विकास और अवसरों के नए रास्ते खुलेंगे। हमारा ध्यान ऐसा भविष्य बनाने पर केंद्रित रहेगा जिसमें प्रौद्योगिकी मानवता की सेवा करे, प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाए और सतत विकास को गति दे।''

मोदी ने कहा कि डिजिटल इंडिया विकसित और आत्मनिर्भर भारत की सशक्त नींव है तथा बीते 11 वर्ष में इसने गरीबों और वंचितों के सशक्तीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ ही देशवासियों के जीवन को आसान बनाया है।

महिलाओं के खाते में 1100 करोड़ ट्रांसफर

चंडीगढ़,एजेंसी। पंजाब में 18 साल से बड़ी उम्र की महिलाओं के खाते में आज (1 जुलाई) 1100 करोड़ ट्रांसफर किए गए। इसकी शुरूआत सीएम भगवंत मान अपने गृह जिले संगरूर के धूरी से की। इसमें जनरल वर्ग की महिलाओं को 1 हजार और दलित वर्ग की महिलाओं को 1500 रुपए महीना मिला। पहली बार सरकार ने 3 महीने की राशि इकट्ठी दी।

जिसमें जनरल वर्ग की महिलाओं के खाते में 3 हजार और SC वर्ग की महिलाओं के अकाउंट में साढ़े 4 हजार रुपए दिए गए। सभा में बैठी एक महिला के मोबाइल पर साढ़े 4 हजार का पहला मैसज आया। सीएम मान ने कहा कि कल तक 40 लाख महिलाओं के रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। महिलाओं को जुलाई, अगस्त और सिंतबर तक की रकम दी गई है। सीएम के भाषण के बीच एक महिला मंच पर पहुंची और खुद के फोन पर आया मैसेज सीएम को दिखाया। सीएम ने फोन पकड़कर मैसेज पढ़कर कहा कि 4500 रुपए आ गए जी। इसके बाद महिला ने कहा– मेरी चार बेटियां हैं, उनका खर्च तो निकलेगा ही। फिर सीएम ने कहा कि 4500 रुपए आए। सीएम ने महिला से पूछा कि आप कहां से हो। इस पर महिला का जवाब था कि धूरी से। सीएम ने कहा कि 4500 रुपए आ गए हैं। महिला ने कहा कि वह ब्लॉक प्रधान है। सीएम ने फिर सीएम ने पूछा कि इसका प्रयोग कहां करोगी, जिसपर महिला ने कहा– मेरी चार बेटियों का खर्च निकलेगा।

नेतृत्व पर आत्म-मंथन जरूरी- संजय राउत

मुंबई,एजेंसी। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना में वफादारों के बीच असंतोष के संकेत तब मिले, जब पार्टी सांसद संजय राउत ने कहा कि पार्टी में 'कुछ लोगों' को जरूरत से ज़्यादा दिया गया। उनके ये बयान यूबीटी सेना छोड़ने और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली विरोधी सेना में शामिल होने वाले छह सांसदों के कुछ दिनों बाद आए हैं। राउत ने कहा कि हमें व्यक्ति के चरित्र को पहचानने की जरूरत है। कुछ लोगों को बहुत ज़्यादा मिल जाता है और इससे पार्टी के वफादार लोगों को दुख पहुँचता है। उन्होंने पार्टी के भीतर आत्म–मंथन करने की बात कही। उनकी ये बातें मंगलवार को न्ठज सेना के सुनील शिंदे की कही बातों से मिलती–जुलती थीं, जब पूर्व विधायक सचिन अहीर शिंदे के नेतृत्व वाली सेना में शामिल हुए थे। सुनील शिंदे ने भी पार्टी के भीतर आत्म–मंथन की मांग की है, हालांकि उन्हें अहिर के पार्टी छोड़ने के बावजूद वर्ली सीट पर न्ठज सेना की जीत की उम्मीद है। शिंदे ने कहा, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को आत्म–मंथन करना चाहिए। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि कैसे उन्होंने 2014 में वर्ली में सचिन अहिर को हराया था और 2019 में आदित्य ठाकरे ने यह सीट जीती थी। सुनील शिंदे के बयान के एक दिन बाद, संजय राउत ने भी इसी तरह आत्म–मंथन की अपील की है। इससे संकेत मिलता है कि पार्टी में कुछ लोगों को खास तवज्जो दिए जाने को लेकर न्ठज सेना के वफादार नेताओं में नाराजगी हो सकती है। राउत ने बुधवार को कहा, हमें अपने राजनीतिक भविष्य के बारे में आत्म–मंथन करने की जरूरत है।

सेना प्रमुख धीरज सेठ ने पहले ही दिन जवानों को दे दिया विजय मंत्र, देश के दुश्मनों की उड़ी नींद

नई दिल्ली,एजेंसी। सेना प्रमुख का पद संभालने के बाद जनरल धीरज सेठ ने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए गर्व और विनम्रता दोनों का विषय है। उन्होंने कहा कि वह "ड्यूटी, ऑनर और नेशन फर्स्ट" के सिद्धांतों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ इस दायित्व को निभाएंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री का आभार जताते हुए कहा कि देश ने उन पर जो भरोसा जताया है, वह उसे पूरी निष्ठा से निभाएंगे। साथ ही उन्होंने देश के उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने राष्ट्र सेवा में सर्वोच्च बलिदान दिया। जनरल धीरज सेठ के पदभार ग्रहण समारोह का सबसे भावुक क्षण वह रहा, जब उन्होंने अपने पिता सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल केएम सेठ और अपने छोटे भाई रियर एडमिरल रवीनीश सेठ को सलामी दी। यह दृश्य पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया। एक ओर सेना के नए प्रमुख, दूसरी ओर नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी पुत्र और

सामने वही पिता जिन्होंने स्वयं भारतीय सेना में सर्वोच्च जिम्मेदारियां निभाई थीं। यह केवल एक सैन्य परंपरा नहीं थी, बल्कि राष्ट्र सेवा की पीढ़ियों का जीवंत प्रतीक बन गया।

हम आपको बता दें कि जनरल धीरज सेठ ने ऐसे समय सेना की कमान संभाली है जब भारतीय सेना बड़े बदलावों के दौर से गुजर रही है। सेना "परिवर्तन के दशक" की जिस व्यापक योजना पर काम कर रही है, उसमें संरचनात्मक बदलाव, नई तकनीकों का समावेश, ड्रोन युद्ध क्षमता, एकीकृत युद्ध समूहों की स्थापना और तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल जैसे कई बड़े कदम शामिल हैं। माना जा रहा है कि उनके कार्यकाल में एकीकृत थिएटर कमांड की दिशा में भी निर्णायक प्रगति हो सकती है, जिससे सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच सामरिक समन्वय और मजबूत होगा। अपने विजन को स्पष्ट करते हुए जनरल सेठ ने "विजय" नाम का मंत्र दिया। इस विजन के हर अक्षर में सेना की भविष्य की दिशा छिपी है। "वी" यानी सतर्कता और तत्परता। उनका कहना है कि भारतीय सेना सीमाओं और उभरते खतरों पर लगातार नजर रखेगी और हर चुनौती का मुकाबला करने के लिए हर समय तैयार रहेगी।

"आई" यानी नवाचार और परिवर्तन। जनरल सेठ ने साफ कहा कि भविष्य का युद्ध केवल सैनिकों की संख्या से नहीं, बल्कि तकनीक, सूचना और तेज निर्णय क्षमता से जीता जाएगा। इसलिए सेना में नई सोच, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियां, ड्रोन, निगरानी तकनीक और आधुनिक हथियारों का समावेश तेजी से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नवाचार सेना की मानसिकता, कार्यशैली और क्षमता निर्माण का स्थायी हिस्सा बनेगा। "जे" यानी संयुक्तता और एकीकरण। उनका मानना है कि आधुनिक युद्ध अब केवल एक सेना नहीं लड़ सकती। इसलिए थल सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच बेहतर तालमेल ही भारत की सामरिक ताकत को नई ऊंचाई देगा। यह केवल सैन्य रणनीति नहीं, बल्कि विकसित भारत 2047 की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सचिन अहीर को मिली नई जिम्मेदारी

नयी दिल्ली,एजेंसी। शिवसेना विधान परिषद सदस्य सचिन अहीर बुधवार को महाराष्ट्र विधान परिषद के उपाध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित हुए। संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने विपक्ष से अपना नामांकन वापस लेने का अनुरोध किया, जिसके बाद विपक्षी उम्मीदवार ने अपना नामांकन वापस ले लिया। इसके बाद सदन में एक प्रस्ताव पारित किया गया और सचिन अहीर को सर्वसम्मति से महाराष्ट्र विधान परिषद का उपाध्यक्ष चुना गया। महाराष्ट्र विधान परिषद में उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव आज दोपहर 1 बजे हुआ। महायुति शिवसेना (शिंदे गुट) के एमएलसी सचिन अहीर और महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के एमएलसी जेएम अभ्यंकर (ठाकरे गुट) के खिलाफ चुनाव लड़ रही थी। एकनाथ शिंदे ने सचिन अहीर के पार्टी में शामिल होने और उम्मीदवारी को पूरी तरह गुप्त रखा। हालांकि, अंतिम समय में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, चंद्रकांत पाटिल और नीलम गोरहे की उपस्थिति में सचिन अहीर का नामांकन दाखिल किया गया। इस घटनाक्रम का स्वागत करते हुए महाराष्ट्र के मंत्री संजय शिरसात ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के भीतर आंतरिक कलह की अफवाहों को खारिज कर दिया। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, हम सभी ने सचिन अहीर के आगमन का स्वागत किया है, जो हमारे हित में हुआ है। इससे कोई नाराज नहीं है। ये सब सिर्फ अफवाहें हैं। चाहे बात मंत्रिमंडल के विस्तार की हो या उपसभापति पद की, हर किसी की ऐसी आकांक्षाएं होती हैं, हालांकि सबकी आकांक्षाएं पूरी नहीं होतीं, इसलिए कभी–कभी असंतोष देखने को मिलता है। एकनाथ शिंदे इन आकांक्षाओं को पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने आगे कहा, श्हमें लगता है कि हमारे पास 13 से 14 सांसद हैं, जब भी मंत्रिमंडल का विस्तार होगा, हमें उसमें जगह मिलनी चाहिए। एकनाथ शिंदे इस बारे में केंद्र के वरिष्ठ नेताओं से बात कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में हमें मंत्री पद मिल जाएगा। मंगलवार को सचिन अहीर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए।

राघव चड्ढा को हाईकोर्ट से मिली आंशिक राहत

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को निशाना बनाने वाले कुछ अपमानजनक कंटेंट को हटाने का निर्देश दिया, साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में पर्सनैलिटी राइट्स (व्यक्तिगत अधिकारों) का कोई मुद्दा शामिल नहीं है।

चड्ढा की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा बताए गए कंटेंट में से केवल कुछ ही अपमानजनक थे। आदेश सुनाते हुए जज ने कहा कि मैंने कुछ कंटेंट को हटाने का निर्देश दिया है... बाकी कंटेंट अपमानजनक नहीं है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि इस मुकध्दमे में पर्सनैलिटी राइट्स (व्यक्तित्व अधिकारों) से जुड़ा कोई मुद्दा नहीं उठाया गया है, और कोर्ट ने अपना ध्यान सिर्फ मानहानि के आरोपों तक ही सीमित रखा। यह नया आदेश चड्ढा के लिए थोड़ी राहत लेकर आया है।

इससे कुछ हफ्ते पहले, उसी जज ने चड्ढा को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था। जज ने कहा था कि राजनीतिक हस्तियों की आलोचना, व्यंग्य और कार्टून पर सिर्फ इसलिए रोक नहीं लगाई जा सकती क्योंकि वे पसंद नहीं आते। यह मामला तब शुरू हुआ जब सोशल मीडिया पोस्ट में कथित तौर पर चड्ढा के आम आदमी पार्टी से भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने की आलोचना की गई।

दिल्ली को मिलेगी छह लेन की टनल, यूपी में बनेगा चार लेन का हाईवे

14,115 करोड़ की परियोजनाएं मंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कैबिनेट ने दिल्ली में छह लेन की द्वारका टनल के निर्माण को मंजूरी दी है। यह आठ किलोमीटर लंबी होगी और इस पर करीब 6,970 करोड़ रुपये की लागत आएगी। केंद्रीय कैबिनेट ने यूपी के कानपुर से कबराई के बीच एक चार लेन के राजमार्ग के निर्माण को भी मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज बुनियादी ढांचे को रफ्तार देने वाले बड़े कैबिनेट फैसलों का एलान किया है। उन्होंने बताया

कि केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को दिल्ली और उत्तर प्रदेश में परिवहन व्यवस्था को विश्वस्तरीय बनाने के लिए कुल 14,115 करोड़ रुपये की दो प्रमुख सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन फैसलों में दिल्ली के अंदर एक नई छह लेन की द्वारका टनल और उत्तर प्रदेश में कानपुर से कबरई तक चार लेन हाईवे का निर्माण शामिल है। यह कदम न सिर्फ ट्रैफिक जाम से निजात दिलाएगा, बल्कि देश के बुनियादी ढांचे में एक बड़ा रणनीतिक निवेश भी है।

देश की राजधानी दिल्ली में ट्रैफिक की समस्या से निपटने के लिए सरकार ने NH–148AE पर छह लेन के टनल के निर्माण को हरी झंडी दे दी है। यह अहम प्रोजेक्ट द्वारका एक्सप्रेस– वे (NH–248 BB) पर मौजूद शिवमूर्ति इंटरचेंज को वसंत कुंज स्थित नेल्सन मंडेला मार्ग से सीधा जोड़ेगा।

पुलिस का काम अपराधों की जांच करना है, शादियों की नहीं

प्रयागराज। लाहाबाद हाईकोर्ट ने बालिग जोड़े के अपनी मर्जी से शादी करने के मामले में पुलिस के अनावश्यक हस्तक्षेप पर नाराजगी जताई है। कहा कि बार–बार कहा गया है कि पुलिस का काम अपराधों की जांच करना है, शादियों की नहीं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बालिग जोड़े के अपनी मर्जी से शादी करने के मामले में पुलिस के अनावश्यक हस्तक्षेप पर नाराजगी जताई है। कहा कि बार–बार कहा गया है कि पुलिस का काम अपराधों की जांच करना है, शादियों की नहीं। इसके बावजूद ऐसे मामलों के प्रति पुलिस का आकर्षण कम नहीं हो रहा। इस टिप्पणी संग जेजे मुनीर व न्यायमूर्ति अचल सचेदव की खंडपीठ ने लड़के के पिता को थाने बुलाकर बार–बार पूछताछ करने के मामले में पुलिस अधीक्षक (एसपी) व सराय ख्वाजा के थाना प्रभारी को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

जौनपुर के सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र की युवती ने एक युवक से अपनी मर्जी से शादी की थी। युवक के खिलाफ थाने में अपहरण के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। कोर्ट ने अगस्त 2024 में ही उसकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। मामले में पुलिस फाइनल रिपोर्ट अदालत में दाखिल कर चुकी है। इसके बावजूद लड़के के पिता को थाने बुलाकर परेशान किया जा रहा था। हाईकोर्ट ने पुलिस के इस आचरण पर गहरी नाराजगी जताई। हाईकोर्ट ने पुलिस अधिकारी से पूछा है कि जब केस में फाइनल रिपोर्ट लग चुकी है तो बुजुर्ग पिता को थाने क्यों बुलाया जा रहा है। अगली सुनवाई छह जुलाई को होगी।

ग्राम प्रधान को प्रशासक बनाए जाने के मामले में मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त किए जाने के मामले में राज्य सरकार से चार सप्ताह में जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी, न्यायमूर्ति अजित कुमार की खंडपीठ ने प्रयागराज निवासी युधिष्ठिर वर्मा और आयुष पांडेय की ओर से दायर जनहित याचिका पर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त किए जाने के मामले में राज्य सरकार से चार सप्ताह में जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी, न्यायमूर्ति अजित कुमार की खंडपीठ ने प्रयागराज निवासी युधिष्ठिर वर्मा और आयुष पांडेय की ओर से दायर जनहित याचिका पर दिया। याचिका में 26 मई 2026 के शासनादेश को चुनौती दी गई है। शासनादेश माध्यम से निवर्तमान ग्राम प्रधानों को छह माह तक प्रशासक नियुक्त किए जाने की व्यवस्था की गई थी। याचिका में उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम–1947 की धारा 12(3– ।) की सांविधानिक वैधता को भी चुनौती दी गई। याचियों का कहना है कि संविधान के अनुच्छेद 243ई के अनुसार पंचायतों का कार्यकाल निश्चित है। समय पर चुनाव कराना अनिवार्य है। ऐसे में निर्वाचित पंचायतों के स्थान पर प्रशासक नियुक्त करना संविधान के भाग–नौ की भावना के विपरीत है। तीन अगस्त को मामले की सुनवाई होगी।

किशोरी को पुलिस पेश करे या जांच की प्रगति रिपोर्ट दाखिल करे

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कथित रूप से किशोरी की अवैध हिरासत के मामले में हमीरपुर पुलिस को तेजी से कार्रवाई का आदेश दिया है। कहा है कि पुलिस अगली सुनवाई तक किशोरी को अदालत में पेश करे या जांच की प्रगति रिपोर्ट दाखिल करे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कथित रूप से किशोरी की अवैध हिरासत के मामले में हमीरपुर पुलिस को तेजी से कार्रवाई का आदेश दिया है। कहा है कि पुलिस अगली सुनवाई तक किशोरी को अदालत में पेश करे या जांच की प्रगति रिपोर्ट दाखिल करे। यह आदेश न्यायमूर्ति तेज प्रताप तिवारी की एकल पीठ ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर दिया है। कोर्ट के आदेश पर 25 जून को पुलिस अधीक्षक(एसपी) वर्चुअल माध्यम से उपस्थित हुए थे। उन्होंने बताया कि किशोरी और उसे हिरासत में रखने वाले का पता लगाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। किशोरी के माता–पिता भी अदालत में उपस्थित हुए। उन्होंने बताया कि लगातार उन्हें धमकी भरे फोन आ रहे हैं। इस पर एसपी ने आश्वासन दिया कि धमकी देने वाले मोबाइल नंबर का पता लगाकर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अब सात जुलाई को दोपहर दो बजे मामले की सुनवाई होगी।

अकासा एयर की प्रयागराज–मुंबई उड़ान हफ्ते में सिर्फ एक दिन ही

प्रयागराज। प्रयागराज से मुंबई के लिए सीधे उड़ान भरने वाली इकलौती विमानन कंपनी अकासा एयर भी अब अपने पंख समेटने की तैयारी में है। प्रयागराज से रोजाना मुंबई के लिए उड़ान भरने वाली अकासा एयर की सेवाएं अब हफ्ते में सिर्फ एक दिन के लिए सिमट कर रह जाएंगी। एक जुलाई से यह विमान केवल सोमवार को ही प्रयागराज से उड़ेगा। इस नए शेड्यूल के लागू होने के बाद शनिवार को एयरपोर्ट की स्थिति ऐसी हो जाएगी कि वहां से एक भी उड़ान संचालित नहीं होगी। पिछले वर्ष बड़े ही जोर–शोर के साथ अकासा एयर ने प्रयागराज से अपनी सेवाओं की शुरुआत की थी। इससे मुंबई आने–जाने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिली थी, लेकिन अचानक सर्विस में की गई इस कटौती ने यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पिछले दिनों प्रयागराज एयरपोर्ट सलाहकार समिति की बैठक में भी यह मुद्दा गरमाया रहा।

समिति के सदस्यों ने विमान के इस तरह हफ्ते में सिर्फ एक दिन संचालन के फैसले पर नाराजगी जताई थी और इसे यात्रियों के साथ वादाखिलाफी बताया था। अब यात्रियों के पास सिर्फ विमानन कंपनी इंडिगो के विमान का ही विकल्प बचा है। यह उड़ान भी सप्ताह में छह दिन है लेकिन इसे भी सिर्फ तीन ही संचालित किए जाने की तैयारी है।

प्रयागराज–निजामुद्दीन और जबलपुर–अयोध्या स्पेशल ट्रेन के बढ़े फेरे

प्रयागराज। यात्रियों की सुविधा के लिए तीन प्रमुख स्पेशल ट्रेनों के संचालन की अवधि में विस्तार किया गया है। इससे यूपी, बिहार, राजस्थान और दिल्ली की तरफ सफर करने वाले यात्रियों को फायदा मिलेगा। प्रयागराज के रास्ते जबलपुर से अयोध्या धाम के बीच चलने वाली साप्ताहिक विशेष गाड़ी (01705/01706) अब दिसंबर के आखिरी हफ्ते तक पटरी पर दौड़ेगी। जबलपुर से यह ट्रेन 29 दिसंबर तक और अयोध्या धाम से 30 दिसंबर तक चलेगी। इसी तरह प्रयागराज से हजरत निजामुद्दीन के बीच चलने वाली साप्ताहिक विशेष गाड़ी (04123/04124) के परिचालन में भी विस्तार किया गया है। प्रयागराज से यह ट्रेन अब पांच से 29 जुलाई के बीच रविवार व बुधवार को चलेगी, जबकि निजामुद्दीन से छह से 30 जुलाई के बीच सोमवार व बृहस्पतिवार को संचालित होगी। इस ट्रेन को 22 डिब्बों के साथ चलाया जाएगा। इसके अलावा, मदार जंक्शन (अजमेर) से पटना के बीच वाया जयपुर, सूबेदारगंज और मिर्जापुर होकर चलने वाली साप्ताहिक विशेष गाड़ी (09601/09602) को भी सितंबर तक बढ़ाने का फैसला लिया गया है।

बेगुनाही के लिए लूट के मुकदमे में कटी जवानी, बुढ़ापे में बरी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लूट के मुकदमे में जवानी काट चुके दो दोषियों को बुढ़ापे में बरी कर दिया। हमीरपुर की जिला अदालत से हाईकोर्ट तक करीब 40 साल चली कानूनी लड़ाई के दौरान सह–आरोपी अश्वनी जिंदगी हार गए। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लूट के मुकदमे में जवानी काट चुके दो दोषियों को बुढ़ापे में बरी कर दिया। हमीरपुर की जिला अदालत से हाईकोर्ट तक करीब 40 साल चली कानूनी लड़ाई के दौरान सह–आरोपी अश्वनी जिंदगी हार गए। सजा के खिलाफ केस दाखिल करने वाले वकील की दूसरी पीढ़ी ने मुकदमे की इतिश्री कराई।

दो फरवरी 1987 को कथित लूट में तीन युवकों को सात साल की सुनाई गई। उस आदेश के खिलाफ अश्वनी, वासदेव और कल्लू ने 31 दिसंबर 1987 को हाईकोर्ट में अपील दाखिल की। दो जनवरी 1988 को पहली सुनवाई के साथ शुरू हुआ तारीख पे तारीख का दौर जून 2026 में थमा। न्यायमूर्ति संतोष राय की एकल पीठ ने वासदेव और कल्लू को ट्रायल कोर्ट से मिली सजा रद्द कर दी। 65 के हो चुके वासदेव अब बिस्तर पर हैं और कल्लू 70 की उम्र पार कर रहे हैं।

संवाद

क्या था मामला

मामला छह जनवरी 1986 का है। आरोप लगा कि मुद्दई (शिकायतकर्ता) राजाराम और उनके 14 साथी ट्रैक्टर पर सवार होकर सुमेरपुर मंडी से अपने गांव किशवाही लौट रहे थे। शाम सात बजे चार हथियारबंद बदमाशों ने ट्रैक्टर रुकवाया और यात्रियों का सामान लूट लिया। पुलिस ने मामले में अश्वनी, वासदेव और कल्लू को नामजद किया था। विशेष अदालत ने तीनों को दोषी मानते हुए सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। मामले में चौथे आरोपी का पता नहीं लगा।

पुलिस की कहानी में चूक

1.एफआईआर में देरी

कोर्ट ने पाया के पुलिस की डायरी में रिपोर्ट 40 दिन बाद लिखी गई। इसका कोई तार्किक कारण नहीं बताया गया। आरोपी और शिकायतकर्ता एक ही गांव के थे। इसके बावजूद रिपोर्ट में देरी रंजिश प्रतीत होती है। कोर्ट ने इसे साजिश और रंजिश का बड़ा सबूत माना।

2.बड़ी लूट का दावा, बरामदगी कुछ नहीं

अभियोजन ने लूट की बड़ी घटना का दावा किया था, लेकिन पुलिस की तलाशी में आरोपियों के पास से लूटा गया एक भी समान बरामद नहीं हुआ।

3.पहचान पर संदेह

कोर्ट ने पाया कि घटना रात के अंधेरे में हुई थी। ऐसे में आरोपियों को कैसे पहचाना गया, पुलिस साबित करने में विफल रही। कोर्ट ने ट्रैक्टर की क्षमता पर भी सवाल उठाए।

कोर्ट की टिप्पणी

ट्रायल कोर्ट ने साक्ष्यों का मूल्यांकन करते समय न्यायिक विवेक का सही प्रयोग नहीं किया। केवल नामजदगी के आधार पर किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अभियोजन आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा। – इलाहाबाद हाईकोर्ट

पिता की दाखिल अपील, बेटे ने निस्तारित कराई

हाईकोर्ट पहुंचे तीनों मुल्जिमों की ओर से 1987 में अपील दाखिल करने वाले अधिवक्ता कमलेश्वर सिंह भी दुनिया में नहीं रहे। इसके बाद कोर्ट ने मुकदमे की पैरवी के लिए विजेता गुप्ता को न्याय मित्र नियुक्त किया। अंततरू कमलेश्वर की दूसरी पीढ़ी के वकील उनके बेटे गोपाल सिंह ने अपील में बहस की और निस्तारण कराया।

सिर्फ लंबे समय तक कब्जे में रहने से किसी सार्वजनिक संपत्ति पर अधिकार प्राप्त नहीं हो जाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अलीगढ़ नगर निगम की भूमि पर बने आवासीय क्वार्टरों को खाली करने के मामले में याचिका खारिज कर दी। स्पष्ट किया कि बिना वैध दस्तावेज के केवल लंबे समय तक कब्जे में रहने से किसी सार्वजनिक संपत्ति पर कानूनी अधिकार स्थापित नहीं किया जा सकता।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अलीगढ़ नगर निगम की भूमि पर बने आवासीय क्वार्टरों को खाली करने के मामले में याचिका खारिज कर दी।

स्पष्ट किया कि बिना वैध दस्तावेज के केवल लंबे समय तक कब्जे में रहने से किसी सार्वजनिक संपत्ति पर कानूनी अधिकार स्थापित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने नगर आयुक्त के बेदखली संबंधी आदेश बरकरार रखा।

यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति अरुण कुमार की खंडपीठ ने दिया। शफीकुर रहमान समेत सात लोगों ने याचिका दाखिल कर

15 मई 2026 को नगर आयुक्त की ओर से पारित आदेश और छह जून 2026 को जारी बेदखली नोटिस को चुनौती दी थी। नोटिस में अलीगढ़ के मौजा डोडपुर माफी स्थित नजूल प्लॉट संख्या 78 और 87 पर बने नगर निगम के आवासीय क्वार्टर खाली करने के निर्देश दिए गए थे।

याचियों का दावा था कि नगर निगम ने इन क्वार्टरों का निर्माण अपने कर्मचारियों के लिए कराया था, लेकिन बाद में उनके पूर्वजों को खाली पड़े आवास किराये पर दिए गए थे। उनका कहना था कि वे नियमित रूप से किराया जमा करते रहे। नगर निगम के प्रस्ताव के अनुसार फ्रीहोल्ड के लिए मांगी गई राशि भी जमा कर दी थी। इसलिए उन्हें आवासों से बेदखल नहीं किया जा सकता।

दूसरी ओर नगर निगम ने अदालत में कहा कि याचियों के पास ऐसा कोई दस्तावेज नहीं है, जिससे यह साबित हो सके कि उन्हें कभी विधिवत आवास आवंटित किया गया था या वे नगर निगम के अधिकृत किरायेदार हैं। याची अवैध कब्जाधारी हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि याची कोई दस्तावेज पेश किया, जिससे उनके कब्जे को वैध ठहराया जा सके। जिन रसीदों के आधार पर याची फ्रीहोल्ड का दावा कर रहे हैं, वे उनके पक्ष में कोई कानूनी अधिकार स्थापित नहीं करतीं। प्रस्तुत रसीदों से यह भी साबित नहीं होता कि नगर निगम ने उनसे किराया स्वीकार किया था। कोर्ट ने बेदखली नोटिस में हस्तक्षेप इन्कार कर दिया।

सामाजिक न्याय के पुरोधा थे पूर्व सीएम राम नरेश यादव, किसानों के लिए किया आजीवन संघर्ष

प्रयागराज। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल राम नरेश यादव की 98वीं जयंती पर बुधवार को स्वर्गीय राम नरेश यादव स्मारक सेवा संस्थान की ओर से उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल राम नरेश यादव की 98वीं जयंती मनाई गई। बुधवार को स्व. राम नरेश यादव स्मारक सेवा संस्थान की ओर से उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने उन्हें सादगी, ईमानदारी और सामाजिक न्याय का सशक्त प्रतीक बताते हुए उनके योगदान को याद किया।

संस्थान के महामंत्री

हीरालाल यादव ने कहा कि राम नरेश यादव केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक प्रेरणादायी व्यक्तित्व थे। उनका पूरा जीवन सादगी, उच्च विचार और जनसेवा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया के विचारों से प्रेरित होकर उन्होंने किसानों, गरीबों और असहाय लोगों के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। उच्च संवैधानिक पदों पर रहने के बावजूद वे आम लोगों के लिए हमेशा सहज उपलब्ध रहते थे।

डॉ. शिव कुमार यादव ने राम नरेश यादव के जीवन, उनके राजनीतिक सफर और समाज के कमजोर वर्गों के लिए किए गए संघर्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जनहित के मुद्दों पर उनकी प्रतिबद्धता आज भी लोगों के लिए प्रेरणा है। कांग्रेस सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अंकित सिंह यादव ने कहा कि राम नरेश यादव एक कर्मयोगी और जनप्रिय नेता थे। मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल की उपलब्धियां आज भी लोगों को याद हैं। उन्होंने राष्ट्रीय मूल्यों, सत्यनिष्ठा और ईमानदारी की राजनीति को हमेशा प्राथमिकता दी तथा किसानों, दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और गरीबों के हितों के लिए निरंतर कार्य किया।

अधिवक्ता कुंवर शेखर कुमार ने कहा कि राम नरेश यादव सच्चाई, सादगी और ईमानदारी के पर्याय थे। उन्होंने अधिवक्ता, शिक्षक और जनप्रतिनिधि के रूप में प्रत्येक दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से किया। इस मौके पर श्री वृंदा प्रसाद हिंदू महिला बाल आश्रम, कटघर में अनाथ बच्चों को भोजन एवं फल वितरित किया गया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से पौधरोपण भी किया गया। कार्यक्रम में रवि प्रकाश, प्रतिभा वर्मा, सरिता यादव, खुश प्रकाश, दिव्य कसेरा, मोहन जी टंडन, मनप्रीत कौर, आनंद मोहन, भरत भूषण आदि मौजूद रहे।

पूर्व विधायक अंसार अहमद समेत सात लोगों पर गैंगस्टर, संपत्ति कुर्की की तैयारी

प्रयागराज। फाफामऊ में 23 मार्च को आदर्श कोल्ड स्टोर हादसे के आरोपी पूर्व विधायक अंसार अहमद समेत सात लोगों पर पुलिस गैंगस्टर के तहत कार्रवाई करने की तैयारी में है। पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार के निर्देश पर कमिश्नरेट पुलिस ने आरोपियों की अवैध संपत्तियों को कुर्क और जब्त करने का निर्णय लिया है। फाफामऊ के चंदापुर में स्थित आदर्श कोल्ड स्टोर सुरक्षा मानकों की अनदेखी के चलते भरभराकर गिर गया था। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई थी और 12 घायल हुए थे। मामले में पुलिस ने पूर्व विधायक अंसार अहमद, मंजूर, अलाउद्दीन, मो. जाबिर अली उर्फ जावेद, मो. उस्मान, मो. इरफान और मो. असलम उर्फ बाबा के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की थी। इसके बाद सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। पूर्व विधायक अंसार अहमद को इसी मामले में एक दिन पहले ही कोर्ट से जमानत मिली है। पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की तैयारी है। अवैध तरीके से बनाई संपत्तियों का ब्योरा एकत्रित किया जा रहा है। पुलिस जांच में पता चला था कि कोल्ड स्टोर में निर्धारित क्षमता से अधिक आलू का भंडारण किया गया था। इससे भवन के ढांचे पर अतिरिक्त दबाव पड़ा और वह भरभराकर गिर पड़ा। सुरक्षा मानकों के पालन में भी गंभीर लापरवाही बरती गई। गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू होने के बाद पुलिस आरोपियों की चल–अचल संपत्तियों का ब्योरा तैयार करेगी। इसके लिए राजस्व, विकास प्राधिकरण, बैंक और अन्य संबंधित विभागों से भी जानकारी जुटाई जाएगी।

मासूम पर हमले के विरोध में चौथे दिन भी भाकियू टिकैत का धरना

प्रयागराज। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के पास विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन टिकैत का धरना मंगलवार को चौथे दिन भी जारी रहा। संगठन ने आरोप लगाया कि धरना स्थल पर नाबालिग बच्ची पर हुए जानलेवा हमले के 24 घंटे बाद भी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की है।

भाकियू टिकैत के युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह के अनुसार, सोमवार को धरना स्थल पर कुछ लोगों ने कथित रूप से हमला कर दिया था। इसमें नाबालिग बच्ची घायल हो गई। आरोप है कि हमलावरों ने किसानों और महिलाओं को अपशब्द कहे।

पुलिस की ओर से कार्रवाई ने पर पीड़ित परिवार और धरने पर बैठे लोगों में आक्रोश है। चेतावनी दी गई है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो प्रदेशभर में आंदोलन किया जाएगा।

दो जुलाई से संगम में जल सत्याग्रह का एलान

समस्याओं का समाधान न होने पर संगठन के पदाधिकारी अनुज सिंह ने दो जुलाई दोपहर 12 बजे से संगम में अनिश्चितकालीन जल सत्याग्रह शुरू करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि लंबित समस्याओं के समाधान तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने शंकरगढ़ के बंधवा गांव और एयरपोर्ट थाना क्षेत्र की घटनाओं का उल्लेख करते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की।

जन शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर 10 अफसरों को नोटिस

प्रयागराज। आईजीआरएस पोर्टल पर आने वाली जन शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर डीएम मनीष कुमार वर्मा ने एसडीएम मेजा और हंडिया समेत अन्य अफसरों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए तीन दिनों में स्पष्टीकरण तलब किया है। डीएम ने आईजीआरएस पोर्टल पर की जाने वाली शिकायतों के प्रभावी व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए आईजीआरएस के संदर्भों में नियत समयावधि के अंदर जांचकर्ता अधिकारी की ओर से शिकायकर्ता के मोबाइल पर संपर्क करने, नियमानुसार निस्तारण व समाधान कराने के निर्देश दिए थे। जांच के लिए शिकायतकर्ताओं से औचक वार्ता की गई। इसमें सामने आयोग कि जांचकर्ता अधिकारियों ने शिकायतकर्ता के मोबाइल नंबर पर संपर्क तो किया लेकिन संबंधित अधिकारी ने उनकी शिकायत में अंकित तथ्यों का निस्तारण व समाधान नहीं किया। इसपर जिलाधिकारी ने कार्रवाई की। जिलाधिकारी ने एसडीएम मेजा व हंडिया, अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण खंड नगरीय (नोडल), अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड यमुनापार एवं गंगापार, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, अधिशासी अधिकारी फूलपुर, बंदोबस्त अधिकारी, अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण, जिला समाज कल्याण अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए तीन दिन में स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है।

दिन बिजली की आवाजाही, रात में बारिश से आपूर्ति प्रभावित

प्रयागराज। गर्मी के बीच मंगलवार को शहरियों को बिजली संकट से जूझना पड़ा। दिनभर कहीं ट्रांसफार्मर में फॉल्ट तो कहीं केबल में शॉर्ट सर्किट की वजह से बिजली आपूर्ति बाधित रही। वहीं, रात में बारिश होते ही कई इलाकों की बिजली गुल हो गई। बिजली कर्मचारी लगातार फॉल्ट दूर कर आपूर्ति बहाल करने में जुटे रहे। अल्लापुर, तिलक नगर, दारागंज, बक्शी बांध और अलोपीबाग में मंगलवार भोर से बिजली के आने–जाने का सिलसिला शुरू हो गया। जो दिनभर चलता रहा। सलोरी, गोविंदपुर, गद्दोपुर, छोटा बघाड़ा और तेलियरगंज में ट्रिपिंग की समस्या रही। रात में बारिश के कारण फिर से प्रभावित हुई। कल्याणी देवी, अतरसुइया, रानीमंडी, मीरापुर, दरियाबाद और करेलाबाद में भी दिनभर बिजली की आंख–मिचौली जारी रही।

सीवर टैंक की सफाई में खर्च हो रहे 1200 रुपये, कहां से दें हाउस टैक्स

प्रयागराज। हमारे मोहल्ले में नाली नहीं है। सड़क खराब है। हर महीने सीवर की सफाई में 1200 रुपये खर्च हो जाते हैं। ऐसे में हाउस टैक्स कैसे भरें। यह तकलीफ है झूंसी के कोहना वार्ड संख्या 45 के सरायतकी निवासियों की। मंगलवार को नगर निगम में जनसुनवाई के दौरान यहां के तीन सेवानिवृत्त अधिकारी अपने इलाके की समस्याएं लेकर पहुंचे। इनका आरोप है कि महाकुंभ मेले के लिए स्वीकृत कार्य में अधिकारियों और ठेकेदारों ने लीपापोती की है। इस संबंध में 11 जुलाई 2024 को मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजा था। शिकायत के बाद अधिकारियों ने सर्वे किया। दिसंबर 2024 तक नाली और सड़क निर्माण का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने बताया था कि महाकुंभ मेले के लिए बजट आ गया है। बाद में पहले से बनी सड़क और नाली के आसपास ही लीपापोती कर काम खत्म कर दिया गया। इससे उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया है। यह मोहल्ला संगम से मात्र तीन किलोमीटर दूर स्थित है। यहां नाली का पानी जगह–जगह रुका रहता है। सर्वे में लगभग 200 मीटर क्षेत्र में काम की पहचान की गई थी। इसमें कमलेश श्रीवास्तव के घर से आत्माराम दुबे के घर तक का हिस्सा शामिल था।

संक्षिप्त

एसआईटी को मिला और समय, अब बढ़ेगा जांच का दायरा

लखनऊ (संवाददाता)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) को शासन ने और समय दे दिया है। अब विशेष जांच टीम 15 जुलाई तक अपनी फाइनल रिपोर्ट सौंपेगी। पहले यह रिपोर्ट 30 जून तक देनी थी। जांच का दायरा भी बढ़ा दिया गया है। एसआईटी प्रमुख, लखनऊ मंडल के आयुक्त विजय विश्वास पंत ने टीम के सदस्यों किरण एस. और वित्त विभाग के विशेष सचिव नीलरत्न कुमार के साथ प्रारंभिक रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद को सौंपी थी। प्रारंभिक रिपोर्ट में ही एसआईटी ने मामले की विस्तृत जांच के लिए अतिरिक्त समय और अधिकारियों की मांग की थी। एसआईटी के अनुरोध पर शासन ने समय बढ़ाने को मंजूरी दे दी। प्रारंभिक रिपोर्ट में मौजूदा सुरक्षा और चढ़ावा प्रबंधन व्यवस्था पर सवाल उठाए गए हैं। टीम ने मौके की स्थिति, 150 से अधिक लोगों से पूछताछ, सीसीटीवी फुटेज और मौजूदा व्यवस्था को रिपोर्ट का हिस्सा बनाया है। सभी की भूमिका का उल्लेख है, लेकिन अभी सीधे तौर पर किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है। अधिकारियों का कहना है कि फाइनल रिपोर्ट में हर व्यक्ति की जवाबदेही तय की जा सकती है। जांच का दायरा बढ़ने से ट्रस्ट से जुड़े पदाधिकारियों, सुरक्षा एजेंसियों और बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों की भूमिका की भी गहन जांच होगी। गौरतलब है कि राम मंदिर में दानपात्र से चढ़ावे की गिनती के दौरान रकम कम मिलने का मामला सामने आया था, जिसके बाद शासन ने 3 सदस्यीय एसआईटी का गठन किया था। 15 जुलाई तक आने वाली फाइनल रिपोर्ट पर सबकी नजर है।

राजधानी में समर वेकेशन के बाद खुले स्कूल, तिलक-फूलों से हुआ स्टूडेंट्स का स्वागत

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में करीब डेढ़ महीने की गर्मी की छुट्टियों के बाद 1 जुलाई से सरकारी और निजी स्कूलों में फिर से रौनक लौट आई। नए सत्र के पहले दिन स्कूल पहुंचे बच्चों का तिलक लगाकर और पुष्प भेंट कर स्वागत किया गया। लंबी हॉलिडे के बाद दोस्तों और शिक्षकों से मिलकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे, जबकि स्कूल परिसर एक बार फिर बच्चों की चहल-पहल और किलकारियों से गुलजार हो गए। इसी के साथ प्रदेश सरकार ने नए शैक्षणिक सत्र के लिए स्कूल चलो अभियान की भी शुरुआत हो गई है। राजधानी में 58 राजकीय, 98 अशासकीय सहायता प्राप्त और 500 से अधिक निजी स्कूल संचालित हैं। इसके अलावा सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के अधिकांश स्कूल भी आज से खुल गए। सुबह 7.30 बजे से स्कूलों में नियमित क्लासेज शुरू हुईं। स्कूल खुलने से एक दिन पहले जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) के निर्देश पर सभी विद्यालयों में साफ-सफाई, पेयजल, कक्षाओं और परिसर की व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली गई थीं। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए स्कूल परिसरों में पौधरोपण के निर्देश भी दिए गए हैं। इसी के साथ प्रदेश सरकार के निर्देश पर श्स्कूल चलो अभियानश की भी शुरुआत हो गई है। यह अभियान 1 से 15 जुलाई तक चलाया जाएगा, जिसका उद्देश्य प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करना है। डीआईओएस देवेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि पहले दिन विद्यार्थियों का तिलक लगाकर और फूल देकर स्वागत किया गया। नए विद्यार्थियों को विद्यालय की व्यवस्थाओं, अनुशासन, शैक्षणिक गतिविधियों और विभिन्न सुविधाओं की जानकारी भी दी गई, ताकि वे नए वातावरण में सहज महसूस कर सकें। हुसैनगंज स्थित चुटकी भंडार गर्ल्स इंटर कालेज के सील किये जाने के बाद यहां की 97 छात्राओं का समायोजन आसपास के दूसरे स्कूलों में करा दिया गया है। ये छात्राएं बुधवार यानी आज से नए स्कूल में पढ़ाई करेंगी। बची छात्राओं का भी दाखिला कराया जाएगा। यहां की शिक्षिकाओं के समायोजन की प्रक्रिया शुरू हो गई। इनसे स्कूलों के विकल्प लिये गए हैं। स्कूल प्रबंधक पवन वर्मा ने नए स्कूल के भवन के लिये चार करोड़ का स्टीमेंट तैयार किया है।

लखनऊ से नोएडा के लिए उड़ेंगी 4 फ्लाइट्स, सप्ताह के सातों दिन रहेगी सीधी सेवा

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के बीच बुधवार से नियमित हवाई सेवा शुरू हो गई है। इंडिगो एयरलाइन दोनों शहरों के बीच रोजाना चार उड़ानों का संचालन करेगी। नई सेवा शुरू होने से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद के साथ-साथ लखनऊ के यात्रियों को तेज और सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिलेगा। सबसे बड़ी राहत यह होगी कि अब यात्रियों को उड़ान पकड़ने के लिए दिल्ली के एयरपोर्ट तक जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। नई सेवा को यात्रियों का अच्छा प्रतिसाद मिला है। इंडिगो के 76 सीटों वाले एटीआर विमान की अधिकांश सीटें पहले ही बुक हो चुकी हैं। नोएडा से लखनऊ आने वाली पहली उड़ान में 72 सीटें और लखनऊ से नोएडा जाने वाली उड़ान में 74 सीटों की बुकिंग हो चुकी है, जिससे इस रूट की मांग का अंदाजा लगाया जा सकता है। इंडिगो की सभी चार उड़ानें सप्ताह के सातों दिन संचालित होंगी। सुबह 6.00 बजे फ्लाइट संख्या 6ई-7624 नोएडा से लखनऊ के लिए रवाना होगी। सुबह 7.40 बजे 6ई-7625 लखनऊ से नोएडा पहुंचेगी। दोपहर 3.05 बजे 6ई-7628 नोएडा से लखनऊ के लिए उड़ान भरेगी। वहीं रात 9.35 बजे 6ई-7629 लखनऊ से रवाना होकर रात 10.50 बजे नोएडा पहुंचेगी।

अखिलेश के जन्मदिन पर मजार में चढ़ाई गई चादर, योगी ने दी बधाई

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को अपना 53वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर प्रदेशभर में समर्थकों ने धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए। लखनऊ में सपा कार्यकर्ता इकलाख ने दादा मियां की मजार पर चादर चढ़ाकर अखिलेश यादव की लंबी उम्र और प्रदेश की खुशहाली की दुआ मांगी। वहीं, मंदिरों में पूजा-पाठ, हवन और भंडारों का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बसपा प्रमुख मायावती समेत कई नेताओं ने सोशल मीडिया पर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। सपा कार्यालय में दिनभर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। इस दौरान अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार करते हुए सभी का आभार जताया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिवस पर गोमतीनगर स्थित मैक्स हॉस्पिटल में महा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। वासुदेव फाउंडेशन के संस्थापक एवं समाजवादी नेता आनंद आजाद की पहल पर आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं और सपा कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया।

ज्वालामुखी की तरह सुलग रहा बकुलाही पुनरोद्धार का अवशेष सरकारी कार्य

भयहरणनाथ धाम में विशाल किसान सम्मेलन 5 जुलाई को
धाम को कब्जा व मनमानेपन से मुक्ति हेतु होगा 17वाँ सामाजिक सत्याग्रह

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडवकालीन भयहरणनाथ धाम में धाम को कब्जा व मनमानेपन से मुक्ति हेतु गत 15 मार्च से प्रबंध संस्था द्वारा जारी 17वाँ सामाजिक सत्याग्रह 5 जुलाई, रविवार को दोपहर 12 बजे से आयोजित होगा। सत्याग्रह में भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) के सहयोग से विशाल किसान सम्मेलन का आयोजन कर आगे की रणनीति तय होगी। किसान सम्मेलन में बकुलाही नदी पुनरोद्धार के अवशेष सरकारी कार्यों को पूर्ण कराने व राज व समाज के सहयोग से नदी की पुनरोद्धारित धारा को सदानीरा करने हेतु सामाजिक व सामूहिक निर्णय लिया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव व बकुलाही नदी पुनरोद्धार अभियान के संयोजक समाज शेखर ने बताया कि धाम को कब्जामुक्ति हेतु राजस्व विभाग गंभीरता से सहयोग नहीं कर रहा है। वहीं भूमाफिया मनमानेपन पर निरंतर उतारू होकर लगातार अवैधानिक कृत्य कारित कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि बकुलाही नदी पुनरोद्धार के अवशेष सरकारी कार्यों की वजह से नदी की प्राचीन धारा में जल प्रवाह नहीं होता है। प्रस्तावित

डाईवर्जन डैम न बनने से नदी सदानीरा नहीं हो पा रही है जिससे सैकड़ों ग्राम में घोर जल संकट उत्पन्न हुआ है। स्थानीय लोगों व किसानों का मानना है कि जनप्रतिनिधियों की उदासीनता व भूमाफियाओं के राजनीतिक गठजोड़ के कारण धारा परिवर्तन का बांध अभी तक नहीं बन सका। यह मुद्दा जनपद के दक्षिणांचल में ज्वालामुखी की तरह सुलग रहा है जो कभी भी आंदोलन के रूप में फूट सकता है।

संयोजक समाज शेखर ने कहा कि भयहरणनाथ धाम व बकुलाही का मुद्दा जन-जन का विषय है। इस पर सरकार व जिला प्रशासन को अपेक्षित सहयोग करना चाहिए। साथ ही समाज के सभी वर्गों तथा संगठनों को अपनी साझा समस्या व पानी के इंतजाम हेतु रचनात्मक प्रयास जनसहयोग तथा लोकभागीदारी से करना ही होगा। तभी धाम आजाद होगा, नदी सदानीरा व जन-जन खुशहाल होगा। उन्होंने 5 जुलाई को होने वाले किसान सम्मेलन में सभी क्षेत्रीय नागरिकों, किसान बंधुओं, व्यापारियों व सामाजिक संगठनों से सहभागिता की अपील की है।

सम्मेलन में समन्वय हेतु भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) के मुख्य प्रवक्ता भानु प्रताप सिंह, लोक भारती के जिला संयोजक डी के शर्मा, भयहरण नाथ धाम प्रबन्ध समिति से अध्यक्ष लाल जी सिंह, कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह, उपाध्यक्ष वित्त राजीव नयन, बकुलाही नदी पुनरोद्धार अभियान के सह संयोजक मोती लाल चौधरी, नव जीवन किसान संगठन से अभय प्रताप सिंह, पतंजलि योग पीठ कटरा गुलाब सिंह से अरुणेश अग्रहरि व व्यापार मंडल कटरा गुलाब सिंह के अध्यक्ष डॉ अमर बहादुर सिंह तथा कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र ने जिम्मेदारी ली है।

गुलाब का पुष्प

रखिए फूलों की तरह, ईश्वर से संबन्ध।
हँसकर कहा गुलाब ने, भरकर मधुर सुगन्ध।
भरकर मधुर सुगन्ध, प्रेम की गाथा बनते।
हरि का है उपहार, इसी को हरदम कहते।
सुन लो कहें प्रदीप, बात यह सबसे कहिए।
सबका कर कल्याण, अहं से दूरी रखिए।।

देता रचनाकार जब, मौसम अति माकूल।
पंखुरियों में रंग भर, कलियाँ बनती फूल।
कलियाँ बनती फूल, नाम वह नाना रखकर।
खुशबू का संसार, सदा अंतस में भरकर।
सुन लो कहें प्रदीप, हमेशा बन अध्येता।
बन गुलाब का पुष्प, ज्ञान वह जग को देता।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

राम मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की बिगड़ी तबीयत, लखनऊ मेदांता में हुए भर्ती

लखनऊ (संवाददाता)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष और राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख संत महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत अचानक बिगड़ गई है। उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मेदांता के डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर ने बताया कि महंत नृत्य गोपाल दास को सांस लेने में तकलीफ और लंग्स में इंफेक्शन की वजह से भर्ती किया गया है। उनका सही उपचार किया जा रहा है और जल्द ही मेडिकल बुलेटिन जारी किया जाएगा। 88 वर्षीय महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत इससे पहले जनवरी 2026 में भी खराब हुई थी। तब भी उन्हें लखनऊ मेदांता में भर्ती कराया गया था। इलाज के बाद वे स्वस्थ हो गए थे। उस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अस्पताल पहुंचे थे और डॉक्टरों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली थी। गौरतलब है कि महंत नृत्य गोपाल दास राम मंदिर आंदोलन से शुरुआती दिनों से जुड़े रहे हैं। उन्होंने अपना पूरा जीवन राम मंदिर निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। कोर्ट-कचहरी से लेकर सड़क आंदोलन तक और संत-समाज को एकजुट करने में उनकी अग्रणी भूमिका रही। मणिराम दास छावनी के महंत के रूप में उन्होंने सैकड़ों साधुओं को संगठित किया। राम मंदिर भूमि पूजन, निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भी वे मौजूद रहे और प्रमुख योगदान दिया। बढ़ती उम्र के चलते पहले भी कई बार उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। फिलहाल डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। देशभर के संत-समाज और रामभक्त उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ पिंगली आनंद कुमार को सर्वश्रेष्ठ चिकित्सक पुरस्कार

विजयवाड़ा। एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, ताड़ेपल्लीगुडेम के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ पिंगली आनंद कुमार को आज डॉ एनटीआर यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (डॉ एनटीआर यूएचएस), विजयवाड़ा द्वारा होम्योपैथी में प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ चिकित्सक पुरस्कार दृ 2026 प्रदान किया गया। यह पुरस्कार विश्वविद्यालय सभागार, प्रशासनिक ब्लॉक में आयोजित राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस समारोह पर प्रदान किया गया।

यह सम्मान श्री एस सुरेश कुमार, आईएएस, प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार, जो इस अवसर के मुख्य अतिथि थे, न्यायमूर्ति श्री यू दुर्गा प्रसाद, हाई पावर कमेटी के अध्यक्ष; डॉ. पी. चंद्रशेखर, वाइस-चांसलर, डॉ. एनटीआर यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज; और डॉ. टी. साई सुधीर, रजिस्ट्रार, डॉ. एनटीआर यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज की उपस्थिति में प्रदान किया गया। डॉ. पिंगली उन दस जाने-माने डॉक्टरों में से हैं जिन्हें इस साल एलोपैथी, आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, डेंटिस्ट्री और नर्सिंग से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड होम्योपैथिक मेडिकल एजुकेशन, क्लिनिकल एक्सीलेंस, इंस्टीट्यूशनल लीडरशिप और पब्लिक हेल्थ सर्विस में उनके शानदार योगदान को पहचान देता है।

कार्यक्रम की शुरुआत भारत रत्न डॉ. बिधान चंद्र रॉय को श्रद्धांजलि देने के साथ हुई, जिनकी याद में हर साल 1 जुलाई को नेशनल डॉक्टर्स डे मनाया जाता है, इस साल डॉ. एनटीआर यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज कैंपस में उनकी मूर्ति का अनावरण किया गया।

कार्यक्रम में बोलते हुए, मुख्य अतिथि ने कहा कि एक डॉक्टर का असर कंसल्टिंग रूम से कहीं आगे तक होता है, और मेडिसिन में सफलता मुनाफे से नहीं बल्कि दी गई जानों और दुखों से राहत से मापी जाती है, उन्होंने डॉक्टरों से ।ए जैसी नई टेक्नोलॉजी को अपनाने की अपील की, बिना इस पेशे के दिल में मौजूद इंसानी हमदर्दी को खोए।

डॉ. पिंगली ने जुलाई 2025 में ।त होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल के प्रिंसिपल का चार्ज संभाला। एक एकेडमिशियन, क्लिनिशियन और इंस्टीट्यूशन-बिल्डर के तौर पर दो दशकों से ज़्यादा के अनुभव के साथ, वह अभी मलेशिया के लिंकन यूनिवर्सिटी कॉलेज में चैक कर रहे हैं।

उन्हें क्लिनिक और ऑनलाइन दोनों जगह मुश्किल और गंभीर मामलों को मैनेज करने के बहुत अनुभव के साथ एक होम्योपैथिक कंसल्टेंट के तौर पर इंटरनेशनल लेवल पर पहचान मिली है।

उनकी लीडरशिप में, एएसआर डिजिटल मेडिकल शिक्षा और स्पेशलिटी क्लिनिक डेवलपमेंट से लेकर कम्युनिटी आउटरीच तक कई मोर्चों पर आगे बढ़ा है। उनके गाइडेंस में स्टूडेंट्स ने टॉप यूनिवर्सिटी रैंक हासिल की हैं, जिसमें फाइनल बीएचएमएस एग्जाम में रैंक 1, 3 और 5 शामिल हैं, जबकि तीन एएसआर स्टूडेंट्स को सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन होम्योपैथी दृ होम्योपैथी में शॉर्ट टर्म स्टूडेंटशिप।वह श्एनाटोमिका होमियोपैथिकाश के फाउंडर-एडिटर और कॉलेज के साइंटिफिक पब्लिकेशन श्एएसआर लक्स साइंटिया होमियोपैथिकाश के एडिटर-इन-चीफ हैं।

वह वेब ऑफ साइंस में इंडेक्स किए गए 18 रिसर्च पब्लिकेशन के लेखक हैं, जिनमें फीमेल इनफर्टिलिटी, पीसीओएस, कैंसर पेन मैनेजमेंट, और ऑटिज्म और एडीएचडी के लिए होम्योपैथिक अप्रोच जैसे फोकस एरिया शामिल हैं।

मेडिसिन के अलावा, वह उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट, पीठापुरम के सेक्रेटरी और श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम, पीठापुरम के सेंट्रल कमेटी मेंबर के तौर पर काम करते हैं।

कॉलेज ने बधाई दी

एएसआर प्रबंधन ने होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल के फैकल्टी, स्टाफ और स्टूडेंट्स ने डॉ. पिंगली आनंद कुमार को इस पहचान के लिए दिल से बधाई दी है, और उनके नेतृत्व में एकेडमिक इनोवेशन, रिसर्च में बेहतरीन काम और कम्युनिटी सर्विस की इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए कॉलेज के कमिटमेंट को फिर से पक्का किया है।

समित बिल्डिंग में फर्जी कॉल सेंटर पर पुलिस का छापा, 100 से अधिक हिरासत में, विदेशी नागरिकों से ठगी का आरोप

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर स्थित समित बिल्डिंग में संचालित एक फर्जी कॉल सेंटर पर क्राइम ब्रांच ने आधी रात बड़ी कार्रवाई करते हुए 100 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया। एडीसीपी क्राइम किरन यादव के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच और कई थानों की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल, सर्वर, हार्ड डिस्क समेत बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और डिजिटल साक्ष्य बरामद किए। पुलिस के अनुसार गिरोह विदेशों के नागरिकों को झांसा देकर करोड़ों रुपये की साइबर ठगी करता था। बरामद डिजिटल उपकरणों की फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है, जबकि गिरोह के विदेशी संपर्कों, बैंक खातों, डिजिटल वॉलेट और हवाला के जरिए हुए लेनदेन की भी जांच जारी है। पुलिस को इस कार्रवाई से कई बड़े खुलासों की उम्मीद है।

सपा ने उत्साह और जोश के साथ मनाया अखिलेश यादव का 53वां जन्मदिन

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का 53वां जन्मदिन बुधवार को पूरे प्रदेश में उत्साह और जोश के साथ मनाया जा रहा है। लखनऊ में पार्टी कार्यालय से लेकर उनके आवास तक समर्थकों की भारी भीड़ देखने को मिली। जगह-जगह पौधारोपण, साइकिल वितरण और शुभकामना कार्यक्रम आयोजित किए गए। समाजवादी छात्र सभा ने लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में अखिलेश यादव के 53वें जन्मदिवस के अवसर पर 53 पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्र नेता आदित्य पाण्डेय ने युवाओं, शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए कहा कि समाजवादी छात्र सभा छात्रों और युवाओं के अधिकारों की आवाज उठाती रहेगी और समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने का कार्य जारी रखेगी। अखिलेश यादव के जन्मदिन पर उनके लखनऊ स्थित आवास के बाहर किन्नर समाज ने ढोल-नगाड़ों के साथ उत्सव मनाया। किन्नर समाज के लोगों ने नृत्य और पारंपरिक अंदाज में खुशी का इजहार करते हुए अखिलेश यादव के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। समर्थकों के अनुसार यह दिन प्रदेश की जनता के लिए भी विशेष महत्व रखता है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में भी जन्मदिन समारोह धूमधाम से आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर हजारों साइकिलों के वितरण का कार्यक्रम रखा गया है। पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों की बड़ी संख्या कार्यालय पहुंच रही है, जहां पूरे दिन विभिन्न सामाजिक और जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में मौजूद छात्र-छात्राओं और कार्यकर्ताओं ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया।

भाजपा अपना नाम भारतीय चीटिंग पार्टी रख ले, दूध का दूध पानी का पानी हो न हो : अखिलेश

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को लखनऊ में प्रदेश पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने केंद्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। अखिलेश ने भ्रष्टाचार, संविधान और आस्था के मुद्दों पर घेराव करते हुए कहा कि भाजपा को अब अपना नाम बदलकर भाचपा यानी भारतीय चीटिंग पार्टी रख

लेना चाहिए। आज अखिलेश यादव का जन्मदिन भी है, इसलिए प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत में ही उन्होंने मजाकिया लहजे में मीडियाकर्मियों से कहा कि आज कोई कड़वा सवाल मत पूछना। अखिलेश यादव ने मर्यादा और आस्था को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मर्यादा का पहला नाम प्रभु श्रीराम हैं और दूसरा नाम देश का संविधान है, लेकिन भाजपा इन दोनों को ही धोखा दे रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में जो कुछ भी गलत हो रहा है, उसे भगवान श्री राम ही सामने ला रहे हैं। अखिलेश ने कहा, ष्मैंने प्रभु राम का असली भक्त बनकर ही सोशल मीडिया पर ट्वीट किया था। बीजेपी ने हमेशा संविधान और लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ किया है। वे अपने सांसदों के दम पर देश का संविधान बदलना चाहते हैं, जिसे हम होने नहीं देंगे।

उत्तर मध्य रेलवे

ई टेंडर निविदा सूचना संख्याः GEM/2026/B/7718327 दिनांकः 27.06.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, जिसका विवरण निम्नलिखित हैः-

कार्य का नामः प्रयागराज रेलवे स्टेशन (PRYJ) पर स्थित पार्सल कार्यालय की गतिविधियों के सम्पूर्ण प्रबंधन (आउटकम-एक्टिविटी आधार पर) 1095 दिनों (03 वर्ष) की अवधि के लिए निविदा।	
निविदा सिस्टमः दो पैरेट सिस्टम	ठेके की अवधिः तीन वर्ष
कार्य का अनुमानित लागत (जी.एस.टी. सहित)ः ₹ 8,85,00,000/-	धरोहर राशिः ₹ 17,70,100/-
निविदा बंद होने की तिथि एवं समयः 20.07.2026 15:00	
निविदा खोलने की तिथि एवं समयः 20.07.2026 15:30	

नोटः- (1) उपरोक्त ई निविदा का पूरा विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) Gem वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट www.gem.gov.in पर टेंडर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। (2) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरों को चाहिए कि वे अपने आपको Gem की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) संलग्न किये जाने वाले सभी दस्तावेज निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। (4) ई निविदा फार्म सभी निविदाकारों को निशुल्क जारी किये जायेंगे। (5) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए Gem की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। 1485/26(A)

f North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

सेशल्स दौरे का हासिल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन दिनों के विदेश दौरे से सोमवार को वापस लौट आए हैं। हिंद महासागर के छोटे से द्वीपीय देश सेशल्स में मोदीजी का सप्ताहांत गुजरा। साढ़े चार सौ वर्गकिलोमीटर के छोटे से क्षेत्रफल और डेढ़ लाख से भी कम आबादी वाले इस देश में तीन दिनों का लंबा वक्त मोदीजी ने क्यों गुजारा, यह जानने की इच्छा है। क्योंकि इस समय देश में एक साथ कई समस्याएं सिर उठाए हुए हैं। पेपर लीक की घटनाएं और तनाव के कारण छात्रों की आत्महत्या का सिलसिला नहीं थम रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी का धरना–प्रदर्शन जंतर–मंतर पर चल रहा है, सोनम वांगचुक रविवार से अनशन पर बैठ चुके हैं। राम मंदिर में करोड़ों का चढ़ावा आर–पार हो गया और श्रद्धालु अपनी आस्था पर हमले से दुखी हैं। गर्मी और बारिश दोनों का कहर आम जनजीवन को संकट में डाल रहा है। अरुणाचल प्रदेश में स्थानीय जनता से फिर आगाह किया है कि चीन फिर जमीन हड़प रहा है। इन चौतरफा मुसीबतों के बीच अगर बहुत जरूरी था तो प्रधानमंत्री सेशल्स के 50वें स्वतंत्रता दिवस के समारोह में शामिल होकर एक दिन में लौट सकते थे। बता दें कि इस समारोह के मुख्य अतिथि नरेन्द्र मोदी थे। सेशल्स के राष्ट्रपति डॉक्टर पैट्रिक हर्मिनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वहां का सर्वोच्च नागरिक सम्मान गार्डियन ऑफ द ब्लू होराइजन से सम्मानित किया। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, श्मैं इस सम्मान को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं और इसे उन सभी देशों को समर्पित करता हूं जो जलवायु परिवर्तन की चुनौती से लड़ रहे हैं और पर्यावरण संरक्षण को भावी पीढ़ियों के प्रति अपनी दायित्व मानते हैं। प्रधानमंत्री मोदी को अब तक करीब 35 देश इसी तरह सम्मानित कर चुके हैं, भाजपा समर्थक इसे ही विश्वगुरु बनने की निशानी मानते हैं। हालांकि सेशल्स ने जो सम्मान मोदीजी को दिया है, वो इसी साल ही बना है और मोदीजी उसे पाने वाले पहले व्यक्ति हैं। इस सम्मान का जो पत्र सोशल मीडिया पर दिखाया जा रहा है, उसमें अंग्रेजी वर्तनी की ढेर सारी गलतियां हैं, सेशल्स और रिपब्लिक तक गलत वर्तनी के साथ लिखे गए हैं। इसकी सच्चाई क्या है, इस बारे में विदेश मंत्रालय ज्यादा प्रकाश डाल सकता है। लेकिन असली मुद्दा यह है कि मोदी के सेशल्स के दौरे से देश को क्या हासिल होने जा रहा है। ध्यान रहे कि मॉरिशस की तरह सेशल्स भी प्रमुख श्टैक्स हेवनश (कर चोरों का स्वर्ग) है जो विदेशी कंपनियों और निवेशकों को शून्य कर लाभ और उच्च स्तरीय वित्तीय गोपनीयता प्रदान करता है। मनी लॉन्ड्रिंग और कर पारदर्शिता की चिंताओं के कारण सेशल्स को कई अंतरराष्ट्रीय निगरानी संस्थाओं की श्ग्रे लिस्टश में रखा गया था। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं में अक्सर जो व्यापार सौदे और समझौते होते हैं, उनमें उनके करीबी बड़े उद्योगपतियों की सुविधाओं और लाभ का ही खास ध्यान रखा जाता है, क्या सेशल्स दौरे में भी ऐसा ही कुछ होगा, इसका पता निकट भविष्य में लग ही जाएगा। वैसे सेशल्स के साथ भारत के संबंध शुरु से अच्छे रहे हैं। भारत ने कई बार सेशल्स की आर्थिक, सामरिक मदद की है और 1986 में जब सेशल्स के तत्कालीन रक्षा मंत्री ओगिल्वी बर्लुइस के नेतृत्व में राष्ट्रपति फ्रांस–अल्बर्ट रेने के खिलाफ तख्तापलट की कोशिश हुई तो भारत के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इसे रुकवाया था। राजीव गांधी रक्षा मंत्री भी थे और उनके कहने पर नौसेना प्रमुख एडमिरल आरएच तहिलियानी की देखरेख में तख्तापलट की कोशिशों को नाकाम किया गया। भारत ने इस गुप्त ऑपरेशन को फ्लावर्स आर ब्लूमिंग का कोडनेम दिया था। असली विश्वगुरु ऐसा ही होता है, जो बिना किसी तामझाम, दिखावे या बड़बोलेपन के अपना प्रभाव दुनिया पर लंबे वक्त तक छोड़ देता है। नेहरूजी से लेकर मनमोहन सिंह तक तमाम प्रधानमंत्रियों के नेतघ्त्व में दुनिया के कई छोटे, शक्तिहीन देशों की रक्षा भारत ने इसी तरह की है। इन पूर्व प्रधानमंत्रियों को कितने देशों ने सम्मान दिए, इसकी बात कोई नहीं करता, लेकिन इनके कारण वैश्विक हालात किस तरह कई बार संभाले गए, इसे दुनिया आज भी याद करती है। प्रधानमंत्री मोदी चाहते तो इनका ही अनुकरण करके पुरानी विदेश नीति पर चलते, जिससे उनका रसूख भी बढ़ता और भारत का प्रभाव भी। लेकिन इस समय हालात भारत के लिए अनुकूल नहीं दिख रहे, खासकर पड़ोसी देशों के मामलों में। जिस समय प्रधानमंत्री मोदी सेशल्स में थे, पड़ोसी बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान चीन में थे। प्रधानमंत्री बनने के करीब चार महीने बाद तारिक रहमान ने अपनी पहली विदेश यात्रा की, जिसमें उन्होंने सबसे पहले मलेशिया का दौरा किया। इसके बाद वे चीन गए और राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। शेख हसीना की सरकार गिराने के बाद मोहम्मद युनूस के नेतृत्व में जो अंतरिम सरकार बनी थी, तब भारत और बांग्लादेश के संबंध बेहद खराब हो गए थे। लेकिन फिर तारिक रहमान प्रधानमंत्री बने तो यह उम्मीद बंधी कि उनकी पार्टी बीएनपी का रुख पारंपरिक तौर पर भारत के पक्ष में नहीं रहता है, फिर भी संबंध बेहतर होंगे। जब मोदी सरकार ने पूर्व मंत्री दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश का उच्चायुक्त बनाया, तब यही संकेत दिए गए कि इस नियुक्ति से दोनों देशों के रिश्ते सुधरेंगे, लेकिन ढाका पहुंचने के तुरंत बाद दिनेश त्रिवेदी ने भूपेन हजारिका के एक लोकप्रिय गीत का हवाला दिया, इसमें यह विचार बताया गया कि दोनों देशों का श्आसमान एक है और हवा भी एक है।

अमेरिका-ईरान युद्धविराम कैसे बिखर रहा है

असद मिर्जा

इस्लामाबाद मेमोरेंडम पर हस्ताक्षर की स्याही अभी सूखी भी नहीं थी कि फारस की खाड़ी में एक बार फिर मिसाइलें और ड्रोन उड़ने लगे। वाशिंगटन और तेहरान के बीच एक हफ्ते के जवाबी हमलों नेकृजिसमें लेबनान पर इजराइल की निर्मम बमबारी भी शामिल रहीकृ यह साबित कर दिया कि जून 2026 का अमेरिका–ईरान युद्धविराम एक नाजुक ढांचा है, जो वास्तविक रणनीतिक सहमति के बजाय महज कूटनीतिक थकान के सहारे टिका हुआ है। जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने 17 जून 2026 को इस्लामाबाद मेमोरेंडम पर हस्ताक्षर किए तो दुनिया को एक उम्मीद भरी तस्वीर दिखाई दीरू 2003 की इराक जंग के बाद मध्य पूर्व का सबसे खतरनाक सैन्य टकराव आखिरकार थमता नजर आया। पाकिस्तान और कतर की महीनों की मध्यस्थता से तय हुए इस समझौते ने 2026 की ईरान जंग के स्थायी अंत के लिए बातचीत हेतु 60 दिवसीय युद्धविराम का ढांचा स्थापित किया। लेकिन दो हफ्ते भी नहीं बीते कि यह सपना चकनाचूर हो गया कृ टूटे वादों, ईरानी उकसावों, इजरायली अड़ियलपन, और एक ऐसे अमेरिकी राष्ट्रपति के अस्थिर मिजाज की भेंट चढ़ गया जो एक दिन ईरान को नेस्तनाबूद करने की धमकी देता है और अगले दिन व्यापारिक प्रलोभन पेश करता है। युद्धविराम जो कभी था ही नहीं–मौजूदा संकट को समझने के लिए यह देखना जरूरी है कि युद्धविराम अपने शुरुआती दौर से ही कितनी लड़खड़ाहट के साथ चला है। पाकिस्तान की मध्यस्थता में 7–8 अप्रैल 2026 को तय हुए दो हफ्ते के शुरुआती युद्धविराम को दोनों पक्षों ने लगभग तुरंत तोड़ दिया। कम तीव्रता की झड़पें कभी नहीं रुकीं। ट्रंप ने 21 अप्रैल को युद्धविराम को श्अनिश्चितकालश के लिए बढ़ा दिया, फिर भी अमेरिकी सेना ने मई में ईरान में ठिकानों पर हमले किए। ईरान ने शिपिंग को निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई की। हर पक्ष ने दूसरे को पहल करने का दोषी ठहरायाय और दोनों ही सही थे। 17 जून का मेमोरेंडम इस चक्र से बाहर निकलने का रास्ता होना था। इसके बजाय उसने इस चक्र को और तेज कर दिया। 26 जून को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने होर्मुज जलडमरूमध्य में एक ड्रोन से सिंगापुर के झंडे वाले मालवाहक जहाज को निशाना बनाया। अमेरिकी नौसेना और वायुसेना के विमानों ने जलडमरूमध्य के आसपास ईरान के दस सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, जिनमें निगरानी का बुनियादी ढांचा, संचार प्रणालियां, वायु रक्षा केंद्र, ड्रोन भंडारगृह और बारूदी सुरंग बिछाने की क्षमता शामिल थी। ईरान के विदेश मंत्रालय ने इन हमलों को 18 जून के मेमोरेंडम का स्पष्ट उल्लंघन करार देते हुए कहा कि इससे जाहिर होता है कि अमेरिकी सरकार अपनी प्रतिबद्धताओं की कोई परवाह नहीं करती। इसके बाद ईरान ने कुवैत में अली अल–सलेम वायु अड्डे और बहरीन में अमेरिकी पांचवें बेड़े के मुख्यालय पर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागे। 28 जून तक दोनों पक्ष नई वार्ता से पहले हमले रोकने पर राजी हो गए कृ मगर यह सहमति अप्रैल के युद्धविराम के बाद सबसे भीषण दो दिनों के जवाबी हमलों के बाद बनी। यह युद्धविराम नहीं है। यह एक काबू में लाई गई तनावपूर्ण स्थिति है जो कूटनीति का लबादा ओढ़े हुए है। नेतन्याहू एक सहयोगी जो तोड़फोड़िया बन गया अमेरिका–ईरान के नाजुक कूटनीतिक ढांचे को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाने वाला अगर कोई है तो वह इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हैं। जैसे–जैसे शांति वार्ता ने रफ्तार पकड़ी, इजरायल लेबनान में उलटी दिशा में बढ़ता रहा, जहां उसकी हिज्बुल्लाह के खिलाफ जंग इतनी भीषणता से जारी रही कि चार हजार से अधिक लोग मारे गए, दस लाख से ज्यादा विस्थापित हुए और दक्षिणी लेबनान के दर्जनों गांव मलबे में तब्दील हो गए। ईरान ने हमेशा एक मांग को गैर–शर्ती रखा किसी भी व्यापक समझौते में लेबनान पर इजरायली हमलों का अंत शामिल होना चाहिए। नेतन्याहू ने उतनी ही दृढ़ता से इनकार किया, यह मतभेद महज रणनीति का नहीं, बल्कि कहीं ज्यादा गहरा है। मई के आखिर की रिपोर्टों के मुताबिक नेतन्याहू और उनका करीबी दायरा उभरते अमेरिका–ईरान समझौते को निजी बैठकों में श्विनाशकारीश करार देते हैं कृ इस आशंका से कि यह ईरान की क्षेत्रीय हैसियत बहाल करेगा, जमे हुए संपत्तियां आजाद करेगा, और तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को अस्पष्ट छोड़ देगा, खत्म नहीं करेगा। ट्रंप का डांवाडोल रवैया–अमेरिकी रणनीति की बुनियादी समस्या उसके शीर्ष की असंगति है। केवल 23 मार्च से 9 जून के बीच ट्रंप ने कम से कम 38 बार दावा किया कि ईरान के साथ समझौता करीब है। उन्होंने ईरान को बिना शर्त आत्मसमर्पण की धमकी दी, फिर जमे हुए ईरानी संपत्तियां ईरानी जनता के लिए अमेरिकी अनाज खरीदने में इस्तेमाल करने की पेशकश की। उन्होंने मार्च के आखिर में घोषणा की कि अमेरिका ने जंग श्जीत लीश जबकि ईरानी मिसाइलें बरसती रहीं। उन्होंने 21 जून को फोर्डो, नतांज और इस्फहान के परमाणु केंद्रों पर हमलों का आदेश दियाकृ और तीन दिन बाद युद्धविराम का ऐलान कर दिया। यह जानबूझ कर अपनाया गया रणनीतिक अस्पष्टता का हथियार नहीं हैय यह एक ऐसे नेता की अनियमित उपज है जो कोई सुसंगत मंजिल सामने रखे बिना आगे बढ़ रहा है। ईरान को हमले जारी रहने पर सैन्य तरीके से काम पूरा करने की ट्रंप की धमकियां और यह चेतावनी कि ईरानी सरकार श्अस्तित्व में नहीं रह सकतीश कृ एक साथ अवरोधक का काम भी करती हैं और ईरानी कट्टरपंथियों को और सख्त भी बनाती हैं। ट्रंप इस समझौते से क्या चाहते हैं यह अपेक्षाकृत स्पष्ट है, होर्मुज जलडमरूमध्य का फिर से खुलना ताकि ऊर्जा बाजार सुधरें और वे एक बड़ी कूटनीतिक सफलता का दावा कर सकें। जो वे स्वीकार करने को तैयार नहीं वह एक टिकाऊ समझौते का कठिन ढांचा हैरू सत्यापन योग्य परमाणु प्रतिबंध, ईरान के क्षेत्रीय छद्म–नेटवर्क का फ्रेमवर्क, और लेबनान में इजराइल को लगाम देने का तंत्र। एक बदला हुआ परिदृश्य–मेमोरेंडम का अंतिम भाग्य जो भी हो, 2026 की जंग पश्चिम एशिया का रणनीतिक नक्शा पहले ही इस तरह बदल चुकी है जो किसी एक युद्धविराम से परे तक असर डालेगी। ईरान, जंग में बच तो गया मगर सैन्य दृष्टि से कमजोर, आर्थिक रूप से तबाह, और कूटनीतिक मैदान में अकेला होकर निकला है। उसके नए सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई को अपने पिता से अधिक जुझारू माना जाता है। जनवरी 2026 के बड़े पैमाने के जनविद्रोहों से पहले से टूटी हुई ईरान की राजनीति में एक खतरनाक परिवर्तनशील कारक। ईरानी मिसाइल हमलों और होर्मुज की बंदी से गंभीर नुकसान उठा चुके हैं और समुद्री आवागमन की स्थायी स्वतंत्रता की गारंटी पर जोर देंगे। 28 जून का हमले रोकने और वार्ता फिर शुरू करने का समझौता उम्मीद का एक पतला धागा देता है। मगर जब तक इजरायल लेबनान पर हमले जारी रखता है, ईरान मेमोरेंडम को अलागू मानता हैय जब तक ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजरानी को रोकता रहता है, अमेरिका मेमोरेंडम को उल्लंघन–ग्रस्त मानता है। युद्धविराम को अंदर से वही पक्ष खोखला कर रहे हैं जिन्होंने इस पर दस्तखत किए, और बाहर से एक ऐसा सहयोगी जिसे कोई पूरी तरह काबू नहीं कर सकता। जब तक लेबनान का सवाल हल नहीं होता। और जब तक ट्रंप यह तय नहीं कर लेते कि वे वाकई शांति बना रहे हैं या महज उसका नाटक कर रहे हैं– मध्य पूर्व जंग जारी रहेगी।

एआई विकास में मानवीय पहलू को मिले तरजीह

एआई विकास में मानवीय पहलू को मिले तरजीहमानवता के लिए एआई के करिश्माई फायदे सामने आ रहे हैं। यह तकनीक स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सक्षम है लेकिन इससे प्राइवेसी, रोजगार, असमानता और मानवीय मूल्यों से जुड़े खतरे भी हैं। विशेषज्ञों व नीति नियंताओं का दायित्व है कि एआई के उपयोग में मानवीय गरिमा तथा प्रभावी वैश्विक नियमन को प्राथमिकता मिले। मानवता की सेवा में विज्ञान और नवाचार की असीम संभावनाओं का उपयोग करते हुए, मानव इतिहास के सबसे अहम दौर में, एआई क्रांति एक परिवर्तनकारी क्षण के रूप में दिखाई देती है। प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व चुनौतियों से निबटने में सशक्त बनाने वाली इसकी क्षमता उपलब्धियों पर गर्व करने को जायज ठहराती है, वह उपलब्धि जिससे देवता तक इर्ष्या करें, जो मानवता की संयुक्त आविष्कारक क्षमता का सम्मान है। दोहराव वाले ऊबाऊ कार्यों का स्वचालन कर फुर्सत के लिए समय उपलब्ध कराना, जरूरी सेवाओं तक पहुंच बढ़ाना, चिकित्सा में नई खोजें, दीर्घायु बनाना और बेहतर स्वास्थ्य सेवा यकीनी बनाना, जिसमें कैंसर जांच और घातक बीमारियों का पूर्वानुमान भी शामिल है, रोगियों की रोबोटिक देखभाल, वंचित वर्गों को मदद का अधिक प्रभावी और लक्षित वितरण, सभी के लिए शिक्षा और ज्ञान तथा आपदा प्रबंधन व मौसम पूर्वानुमान सहित अनेक तरीकों से पर्यावरण सततता बनाने में व्यापक योगदान, ये सभी अधिक समावेशी विकास उद्देश्य की दिशा में एआई के कुछ सबसे अहम योगदान हैं। फिर भी, मानव समाज के भविष्य और 'बुद्धिमत्ता की नियति' से जुड़े प्रश्नों पर दार्शनिकों, वैज्ञानिकों, नेताओं और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के बीच बहस जारी है। इनमें से कुछ उस एआई के भावी विकास व क्रियान्वयन पर विराम लगाने की अपील करते हैं, जो हमारी मानवता की अवधारणा को ही अपहृत कर सकती हो। वहीं एआई समर्थकों के दावे हैं कि इसकी मदद से वस्तुओं एवं सेवाओं की 'अद्भुत प्रचुरता' बनेगी और चेतावनी देते हैं कि नियमन से वैज्ञानिक प्रगति धीमा करने से उन अहम प्रश्नों का सामना करना पड़ेगा जो मानवीय संवेदनाओं और सहस्राब्दियों तक चली सांस्कृतिक विकास–यात्रा के जरिये हमारे अस्तित्व की गहराइयों में समाहित भावनाओं के आधार पर नैतिक सुरक्षा–सीमाओं की आवश्यकता रेखांकित करते हैं। हम कौन हैं, और क्या हम मानवता के ऐसे नए नैरेटिव के लिए तैयार हैं जिसमें कार्यात्मक दक्षता और वादे मुताबिक भौतिक समृद्धि, मानवीय आकांक्षाओं व भावनाओं की गरिमा पर हावी हो जाए, यह एक अपरिहार्य प्रश्न है, जिसने तकनीकी चमत्कारों के आकर्षण में बहने को रोके रखा है। यह इसलिए अहम है कि एआई तकनीक मानवीय भावनाओं और अंतर्ज्ञान को समझने सहित संज्ञानात्मक कौशलों की नकल कर सकती है, व कई बार बेहतर प्रदर्शन भी कर सकती है। क्या हम अनंत तकनीकी उथल–पुथल और रोजगार बाजार में दीर्घकालिक अस्थिरता से पैदा 'तनाव की वैश्विक महामारी' के लिए तैयार हैं, साथ ही 'बेकार' हुए करोड़ों लोगों की अनुमानित भीड़ के लिए, जिसे तकनीकी परिवर्तन के प्रभावों से तालमेल बैठाने में असहनीय तनाव झेलना पड़ेगा? क्या हमारे पास ऐसे सामाजिक–आर्थिक मॉडल हैं जो व्यक्ति का आत्मसम्मान बचा पाएं और सबके लिए अपनत्व व भावनात्मक कल्याण से पूर्ण जीवन यकीनी बनाएं? ये दार्शनिक प्रश्न इंसानी नजरिये से पैदा होते हैं, जिसकी नींव मानवीय मूल्यों पर टिकी है। इस पर गंभीर चिंतन जरूरी है कि 'मन के उस गुप्त क्षेत्र को कैसे सुरक्षित रखा जाए, जहां से भावनाएं जन्मती हैं, प्रेरणा बहती है, व इच्छाएं स्पंदित होती हैं– मानवीय आत्मा का वह आत्मपरक पक्ष जो हम सब को अनिवार्यतरू वह बनाता है, जो हम हैं'। डेटा गोपनीयता की कमजोरियां, दुष्प्रचार का प्रसार, चुनावी हेराफेरी, सुपर इंटेलिजेंट हथियार प्रणालियों के नियंत्रण से बाहर हो जाने की संभावना, एआई–सक्षम फिशिंग मुहिम तथा निगरानी एवं सेंसरशिप– ये कुछ भयावह संकेत हैं जो किसी प्रभावी वैश्विक नियामक के अभाव में सामाजिक उथल–पुथल की वजह बन सकते हैं। राष्ट्र और राज्यों की डिजिटल संप्रभुता बनाए रखना चुनौती है, क्योंकि डेटा पर नियंत्रण राष्ट्रीय सुरक्षा और देशों की रणनीतिक स्वायत्तता से जुड़ा है। इसलिए, एआई की वह दुनिया, जो मानवता का भविष्य बदलने में सक्षम है, उसे ऐसी नैतिक दृष्टि चाहिये जो तकनीकी प्रगति का तालमेल अच्छे और खुशहाल समाज की जरूरतों से बिठा सके। अति आत्मविश्वास बोध को टेरी ईगलटन ने ऐसे व्यक्त कियाः 'अति आत्म–विश्वास अंततः विनाशकारी होता है, जिसने प्राचीन यूनानियों को भय के चलते आकाश की ओर देखने पर विवश कर दिया था'। स्पेनी दार्शनिक जोसे ओर्तेगा वाई गासेट याद दिलाते हैं 'हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जब मनुष्य स्वयं को बेहद सक्षम मानता है, परंतु उसे नहीं पता कि क्या सृजित करे। वह सबका स्वामी है, किंतु खुद का नहीं। पहले से अधिक साधन, ज्ञान और तकनीक होने के बावजूद, आज की दुनिया भी उसी दिशा में जा रही जिस दिशा में अब तक की सबसे बुरी दुनिया गई थी'। 'एआई के युग में मानव की व्यक्तिगत रक्षा' शीर्षक से पोप लियो चौदहवें का धर्मादेश–पत्र एआई से जुड़े मानवतावादी द्वंद्वों पर नैतिक बहस को व्यक्त करता है। यह स्वीकार करते हुए कि प्रौद्योगिकी मानवता की विरोधी नहीं, पोप ने बल दिया है कि एआई के इस युग में, जब मानव गरिमा अमानवीकरण के नए रूपों से संकटग्रस्त है, तब हम 'गहराई से मानवीय' बने रहें। व्यक्ति की गरिमा के आधार पर नैतिक विवेक के मानदंड स्थापित करने की जरूरत बताते हुए, सम्माननीय पोप ने 'केवल अपनी चलवाने' वाला भ्रम बनाने के विरुद्ध चेताया और ऐसी प्रगति के प्रति सावधान किया जो असमानता बढ़ाती हो तथा लोगों के दुख न हर सके। उन्होंने 'लाभ की पूजा, जो कमजोरों की बलि लेती होय ऐसी एकरूपता, जो भिन्नता को निष्प्रभावी करेय और यह दिखावा कि एक ही भाषा, डिजिटल भी, में सबकुछ अनुवादित किया जा सके, इसमें व्यक्ति के रहस्य को आंकड़ों में बदलना शामिल है', उसे नामंजूर करने का आह्वान किया है। पूज्य पोप के ये बयान ऐसी दुनिया के लिए नैतिक निर्देश हैं, जिसे अपनी रचनाओं से परे इंसानियत की शान और भव्यता और एआई की भावनात्मक, रिश्तों या आध्यात्मिक क्षमताओं से जुड़ी सीमाएं याद दिलाना जरूरी है। पोप द्वारा व्यक्त नैतिक नियम बताता है कि इंसानियत, इंसान की नाजुकता व नफासत सीमाओं में ही फलती–फूलती है। इस प्रकार, इंसानी गरिमा पर आधारित केंद्रीय मानवीय मूल्यों के नजरिए से देखें तो, दुनिया भर के नेताओं से उम्मीद की जाती है कि वे एआई के इस्तेमाल और नियमन में इंसान को केंद्र में रखने वाला ढंग अपनाएंगे ताकि मानवता का भला हो और उनके फैसलों के केंद्र में व्यक्ति हो। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में पेरिस में हुए विवाटेक सम्मेलन (17–20 जून, 2026) और उससे पूर्व फरवरी 2026 में नई दिल्ली में ग्लोबल इंडिया एआई समिट में ऐसे ही ढंग पर जोर दिया था। इसके लिए एआई का उपयोग नियंत्रित करने को स्वैच्छिक और अबाध्यकारी शर्तों के बजाय मजबूत व लागू करने योग्य नियमन व्यवस्था की जरूरत होगी, जो अत्याधुनिक एआई तक हरेक की पहुंच आसान बनाता हो और जिस दौर में श सब कुछ एक जैसा करके देखा व किसी चीज का सम्मान न रखाश जाता हो–वहां एक साझा और भरोसेमंद एआई पारिस्थितिकी सुनिश्चित की जाए। राष्ट्र इस ऐतिहासिक चुनौती से कैसे निपटेंगे, यह बात नेतृत्व की गुणवत्ता व समानता एवं मानवीय गरिमा पर आधारित समावेशी लोकतंत्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को परिभाषित करेगी, जो हमारी सभ्यता की परम चाहत है।

शांति के लिए प्रमुख जातीय समूहों के साथ संवाद जरूरी

कृष्ण झा

देश के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में पिछले तीन वर्षों से जारी जातीय हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। घात लगाकर हमले,

अपहरण, हत्याएं और विरोध प्रदर्शन यहां की सामान्य स्थिति बन चुके हैं। राज्य कई जातीय प्रभाव क्षेत्रों में बंट चुका है और हाल की घटनाओं ने यह संकेत दिया है कि संघर्ष अब और अधिक जटिल होता जा रहा है। कुछ दिन पहले ही नागा समुदाय के कई लोगों का अपहरण किया गया, जिनमें से दो के क्षत–विक्षत शव बरामद हुए। पिछले कुछ सप्ताहों में मैतेयी और कुकी समुदायों के बीच चल रहे संघर्ष में तीसरे प्रमुख समुदाय नागा भी प्रत्यक्ष रूप से शामिल हो गया है। मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्रों में निवास अधिकार और क्षेत्रीय नियंत्रण को लेकर कुकी और नागा समुदायों के बीच झड़पें हुई हैं। 13 मई को हुए एक घातक हमले में तीन कुकी चर्च नेताओं सहित एक दर्जन से अधिक लोगों की जान गई जब कि कई लोगों का अपहरण कर लिया गया। इसे मई 2023 के बाद का सबसे गंभीर हिंसक दौर माना जा रहा है, जब मैतेयी और कुकी समुदायों के बीच हुई हिंसा में सैकड़ों लोगों की मौत हुई थी। हिंसा को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने अर्धसैनिक बल तैनात किए, लेकिन स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हो सकी। मैतेयी समुदाय मुख्यतः इंफाल और आसपास के मैदानी इलाकों में रहता है, जबकि कुकी समुदाय की आबादी अधिकतर पहाड़ी क्षेत्रों में है। दोनों समुदायों ने अपने–अपने प्रभाव वाले सुरक्षित क्षेत्र बना लिए हैं और हजारों लोग अब भी विस्थापित जीवन जीने को मजबूर हैं। हिंसा की प्रत्येक नई घटना के लिए दोनों पक्ष एक–दूसरे को जिम्मेदार ठहराते रहे हैं। राज्य को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग–2 पर अनेक स्थानों पर सुरक्षा चौकियां, कंटीले तारों से घिरे संवेदनशील क्षेत्र और हमलों की आशंका आज भी सामान्य दृश्य हैं। हजारों विस्थापित लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं और सरकारी सहायता पर निर्भर हैं। फरवरी 2026 में राष्ट्रपति शासन हटाकर युमनाम खेमचंद सिंह के नेतृत्व में फिर से निर्वाचित सरकार को सत्ता सौंपी गई थी। इससे पहले फरवरी 2025 में राज्य सरकार की कानून–व्यवस्था संभालने में विफलता के बाद राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। उम्मीद थी कि नई व्यवस्था के साथ हालात सुधरेंगे, लेकिन हिंसा और असुरक्षा का सिलसिला जारी रहा। मई 2023 से शुरू हुई जातीय हिंसा में अब तक 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और लगभग 60 हजार लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। अनेक गांव, कारोबार और धार्मिक स्थल नष्ट हो चुके हैं तथा राज्य जातीय आधार पर विभाजित हो चुका है। एमनेस्टी इंटरनेशनल इंडिया के बोर्ड अध्यक्ष ने कहा है कि हाल के अपहरण और हत्याएं स्थिति की गंभीरता को और बढ़ाती हैं। अपहरण के लिए जिम्मेदार सशस्त्र समूहों को सभी बंधकों को तत्काल रिहा करना चाहिए तथा लापता लोगों की जानकारी उनके परिवारों को उपलब्ध करानी चाहिए। नागरिकों को किसी भी जातीय या राजनीतिक संघर्ष में निशाना बनाना या उन्हें बंधक बनाना स्वीकार्य नहीं है। मानवाधिकार संगठनों ने राज्य सरकार से सभी बंधकों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने, निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। उसके अनुसार हाल के दिनों में लगभग 20 लोगों के अपहरण की घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें अधिकांश पीड़ित कुकी और नागा समुदायों से हैं। अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत नागरिकों का अपहरण और उन्हें बंधक बनाना गंभीर अपराध माना जाता है। एमनेस्टी इंटरनेशनल का यह भी कहना है कि मणिपुर सरकार को केवल तात्कालिक सुरक्षा उपायों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सभी पक्षों द्वारा किए गए अपराधों की निष्पक्ष जांच, पीड़ितों को न्याय और क्षतिपूर्ति, मानवाधिकारों की सुरक्षा तथा संघर्ष के मूल कारणों के समाधान के लिए ठोस और दीर्घकालिक कदम उठाना आवश्यक है। इस मसले में केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया भी अपेक्षित स्तर की नहीं रही। प्रधानमंत्री ने पिछले वर्ष सितंबर में मणिपुर का संक्षिप्त दौरा किया था, जबकि केंद्र सरकार लगातार यह रुख अपनाती रही कि अधिकांश हिंसा शुरुआती महीनों में हुई थी। हाल की घटनाएं बताती हैं कि राज्य में शांति अब भी स्थापित नहीं हो सकी है। लगभग तीन वर्षों से हिंसा की चपेट में रहे मणिपुर की स्थिति यह स्पष्ट करती है कि केवल सुरक्षा बलों की तैनाती पर्याप्त नहीं है। जब तक मैतेयी, कुकी, नागा और अन्य संबंधित समुदायों के बीच विश्वास बहाली, राजनीतिक संवाद और स्थायी समाधान की दिशा में गंभीर पहल नहीं होगी

रक्षक ही लूटने लगें तो किस पर करें भरोसा ? राम मंदिर घोटाले पर भड़के टीवी के लक्ष्मण

इस समय देश में हर जगह अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। इस घटना को लेकर लोगों के मन में बहुत नाराजगी और आक्रोश है। बड़े–बड़े सितारें भी इस मामले पर अपनी राय रख रहे हैं। हाल ही में टीवी के शक्तिमान मुकेश खन्ना ने भी चोरी करने वालों को खूब खरी–खोटी सुनाई और लोगों को भी सलाह दी की चढ़ावा चढ़ाना बंद करो। इसके बाद अब रामायण में लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले सुनील लहरी ने भी इस मामले पर अपनी राय रखी है। अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए उन्होंने सरकार से कहा है कि गुनाहगारों को सजा मिलनी चाहिए। वीडियो पोस्ट करते हुए अभिनेता सुनील लहरी ने कहा, सबसे पहले से सभी तो राम राम, जय श्री राम या जय सिया राम। 400–500 साल की कड़ी मेहनत और हजारों लोगों के बलिदान के बाद राम लला जी के मंदिर का निर्माण हुआ। बड़ी धूमधाम से रामलला प्राण प्रतिष्ठा की गई, सभी देशों ने उन भावनाओं को अनुभव किया, सब ये इमोशन देख भाव विभोर हो गए।

उस मंदिर में चोरी कितनी नीच हरकत है, सोच भी नहीं सकते रक्षक ही भक्षक बन जाएगा। श्रद्धालुओं की भावनाओं या विश्वास के साथ कितना बड़ा विश्वासघात हुआ है. मैं कानून और सरकार से विनती करूंगी कि जो भी इसके गुनहगार हैं उन्हें कड़ी सजा मिलनी चाहिए। ऐसा सजा हो जिससे उनकी आने वाली सात पुश्ते भी याद रखे या जिस तरह गल्फ कंट्री और सऊदी में चोरी करने पर सजा मिलती है वैसी सजा दी जाए, जो दूसरों के लिए सबक हो ताकि आगे से कोई ऐसी हरकत ना करे। इस वीडियो के साथ सुनील लहरी ने एक कैप्शन भी लिखा है– रामचन्द्र जी कह गये सिया से ऐसा कलयुग आयेगा मेरे ही रक्षक,भकक्षक बनकर श्रद्धालूओं के चढ़ावे को लूट भावनाओ को आघात पहुंचाएगा...अयोध्या मंदिर चोरी में गुनेहगारों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। इस मामले ने तब तूल पकड़ा, जब समाजवादी पार्टी के नेता तेज नारायण पांडे ने दावा किया कि राम मंदिर के चढ़ावे में से करीब 5 से 7.5 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी हुई है। आरोप सामने आने के बाद मंदिर ट्रस्ट ने मामले की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का गठन किया। जांच के दौरान कार्रवाई करते हुए अब तक 8 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और मामले की जांच जारी है।

> “ उस मंदिर में चोरी कितनी नीच हरकत है, सोच भी नहीं सकते रक्षक ही भक्षक बन जाएगा। श्रद्धालुओं की भावनाओं या विश्वास के साथ कितना बड़ा विश्वासघात हुआ है. मैं कानून और सरकार से विनती करूंगी कि जो भी इसके गुनहगार हैं उन्हें कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

प्रीतम एंड पेड्रो में वीर हिरानी के साथ काम कर भावुक हुए अरशद वारसी, बोले–वो मेरे बेटे जैसा है

राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी अपनी पहली वेब सीरीज प्रीतम एंड पेड्रो से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। सीरीज के ट्रेलर में उनकी दमदार झलक देखने को मिली है, जहां वह अरशद वारसी के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आ रहे हैं। खास बात यह है कि अरशद और वीर इससे पहले फिल्म मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस. में भी साथ नजर आ चुके हैं, जब वीर चाइल्ड आर्टिस्ट थे। अब वर्षों बाद दोनों का फिर साथ आना अरशद के लिए एक भावुक और खास पल बन गया है। एक इंटरव्यू में अरशद वारसी ने वीर हिरानी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वीर न सिर्फ एक अच्छे इंसान हैं, बल्कि एक ऐसे अभिनेता भी हैं जिनके साथ काम करना बेहद आसान है। अरशद ने कहा, वो जैसा इंसान है, उसी वजह से लोग उसे बार–बार अपनी फिल्मों में लेना चाहेंगे। वह बिना किसी नखरे के काम करने वाला स्ट्रेस–फ्री एक्टर है। जब भी उसे मेरी जरूरत होगी, मैं हमेशा उसके साथ खड़ा रहूंगा। मैं दिल से चाहता हूं कि यह प्रोजेक्ट उसके लिए बड़ी सफलता साबित हो। अरशद ने भावुक होते हुए कहा कि उन्होंने वीर को बचपन से बड़ा होते देखा है और आज उनके साथ काम करना बेहद खास एहसास है। उन्होंने कहा, वीर मेरे लिए बेटे जैसा है। कभी वह छोटा–सा बच्चा था, जिसे मेरे साथ फोटो खिंचवाने के लिए भेजा गया था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन हम दोनों साथ काम करेंगे। ऐसा लगता है जैसे मेरा अपना बेटा मेरे साथ काम कर रहा हो। उन्होंने आगे कहा कि वीर ने अपने पहले ही प्रोजेक्ट में शानदार काम किया है और उनमें एक सफल अभिनेता बनने के लिए जरूरी सभी गुण मौजूद हैं। प्रीतम एंड पेड्रो में अरशद वारसी, विक्रांत मैसी और वीर हिरानी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस सीरीज का निर्देशन अविनाश अरुण ने किया है, जबकि इसे राजकुमार हिरानी ने क्रिएट और प्रोड्यूस किया है। यह पहली बार होगा जब राजकुमार हिरानी अपनी खास कहानी कहने की शैली के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दर्शकों के बीच आएंगे। यह बहुप्रतीक्षित सीरीज 3 जुलाई से जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

बाहुबली के दोस्त होने का मिला फायदा, प्रभास ने सुनाया दिलचस्प किस्सा

भारतीय सिनेमा की सबसे ऐतिहासिक फिल्मों में शामिल बाहुबली द बिगिनिंग ने न केवल बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड बनाए, बल्कि दुनियाभर में अपनी अलग पहचान भी स्थापित की। इस फिल्म ने प्रभास को पैन–इंडिया ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय स्टार बना दिया। हाल ही में बाहुबली द टॉर्चबेयरर में प्रभास ने एक दिलचस्प किस्सा साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि फिल्म की लोकप्रियता का असर बैंकॉक तक देखने को मिला और निर्देशक पुरी जगन्नाध को इसका अप्रत्याशित फायदा मिला। प्रभास ने बताया कि बाहुबली 2 की शूटिंग के दौरान पुरी जगन्नाध बैंकॉक में एक हल्के संक्रमण के इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे थे। वहां वह अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, तभी एक नर्स ने उनसे पूछा कि क्या वह भारत से हैं। उनके हां कहते ही नर्स ने उत्साहित होकर पूछा, बाहुबली? पुरी ने जब बताया कि वह प्रभास के दोस्त हैं और दोनों की साथ वाली तस्वीर दिखाई, तो नर्स तुरंत वह फोटो डॉक्टर के पास ले गई। इसके बाद डॉक्टर ने बिना देर किए पुरी जगन्नाध को इलाज के लिए अंदर बुला लिया। प्रभास ने बताया कि इस घटना के तुरंत बाद पुरी जगन्नाध ने उन्हें वॉइस मैसेज भेजकर पूरी कहानी सुनाई। उस समय वह निर्देशक एस.एस. राजामौली और निर्माता रमा राजामौली के साथ सेट पर मौजूद थे। प्रभास के मुताबिक, टीम को पहले से जापान में फिल्म की लोकप्रियता की जानकारी थी, लेकिन बैंकॉक में भी बाहुबली का ऐसा प्रभाव देखकर सभी हैरान रह गए। उन्होंने कहा कि सिर्फ बाहुबली के दोस्त होने की वजह से पुरी जगन्नाध को मिला यह सम्मान उनके लिए बेहद यादगार पल था। रिलीज के एक दशक बाद भी बाहुबली भारतीय सिनेमा की सबसे प्रतिष्ठित फिल्मों में गिनी जाती है और प्रभास की लोकप्रियता लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है। वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रभास के पास कई बड़ी और बहुप्रतीक्षित फिल्में हैं। वह जल्द ही फौजी, स्पिरिट, कल्कि 2, सालार 2 और राजा साब 2 जैसी फिल्मों में नजर आएंगे।

मैं तो डर के मारे कांपने लगी थी ...दीया मिर्जा ने बताया शूटिंग के दौरान अक्षय खन्ना को थप्पड़ मारते समय हो गई थी बहुत नर्वस

जल्द ही नेटफ्लिक्स पर दीया मिर्जा, सनी देओल और अक्षय खन्ना की फिल्म इक्का आने वाली है। हाल ही में 29 जून को इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया। बॉलीवुड में पहली बार दिया मिर्जा और अक्षय खन्ना पहली बार एक साथ काम करने जा रहे हैं। मुंबई में इस फिल्म के ट्रेलर को लांच किया गया और इस समय पर इस फिल्म की सारी स्टार–कास्ट मौजूद थी। इस दौरान बात करते हुए दिया ने अपना एक किस्सा शेयर किया, उन्होंने बताया कि अक्षय खन्ना के साथ शूटिंग करने में बहुत परेशानी हुई। ऐसा इस वजह से क्योंकि उनको अक्षय खन्ना को थप्पड़ मारना था और यह उनके लिए बेहद मुश्किल था। दिया मिर्जा ने बताया कि ऐसा पहली बार हुआ, जब मुझे शूटिंग के दौरान काफी नर्वसनेस हुई। अक्षय खन्ना को थप्पड़ मरना मेरे लिए बहुत मुश्किल काम था क्योंकि लोग अक्षय को बहुत प्यार करते हैं। इस वजह से जब ये सीन शूट हुआ तो मेरे हाथ कांपने लग गए थे और ये ही मेरा उनके साथ पहला सीन था। खास बात यह है कि दिया मिर्जा को पहले दिन ही यह सीन दे दिया गया। उन्होंने अक्षय खन्ना की तारीफ करते हुए बताया कि उनकी एक्टिंग ने हमेशा से ही मुझे प्रभावित किया है। हालांकि यह सिर्फ एक्टिंग थी लेकिन फिर भी ये करना मेरे लिए बहुत मुश्किल था। आने वाली इस फिल्म में दिया मिर्जा और अक्षय पति–पत्नी का किरदार निभाते हुए नजर आएँगे। इसी के साथ इस फिल्म में दोनों की एक बेटी भी है। बहुत ही ट्विस्ट और टर्न के साथ यह मूवी बनाई गई है। आपको बता दें कि यह फिल्म बड़े पर्दे पर नहीं बल्कि नेटफ्लिक्स पर दिखाई देगी और 10 जुलाई, 2026 को दर्शक इस फिल्म को देख सकेंगे।

‘भारतीय सिनेमा के लिए यादगार होगी’, ‘रामायण’ को लेकर बोले नमित मल्होत्राय ‘द ओडिसी’ से तुलना पर कही ये बात

रामायण के रिलीज होने में अभी कुछ महीने बाकी हैं, लेकिन प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा अभी से ही इस दिवाली पर आने वाली फिल्म के लिए लोगों में उत्साह बढ़ा रहे हैं। प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने हाल ही में भरोसा जताया कि यह फिल्म भारतीय सिनेमा के लिए एक यादगार पल साबित होगी। प्रोड्यूसर ने पिछले कुछ महीनों में अलग–अलग तरह के फैंस, इन्फ्लुएंसर्स और ऑनलाइन कंटेंट क्रिएटर्स के लिए स्क्रीनिंग आयोजित करके फिल्म के प्रमोशन के लिए एक ज्यादा पर्सनल तरीका अपनाया है। एक कंटेंट क्रिएटर के साथ बातचीत में नमित मल्होत्रा ने इस बड़े पौराणिक महाकाव्य के बारे में बात की। जब उनसे फिल्म में दिखाए गए टेक्निकल इनोवेशन और विजुअल इफेक्ट्स के उन पहलुओं के बारे में पूछा गया, जिन पर शायद दर्शकों का ध्यान न जाए, तो मल्होत्रा ने कहा कि मुझे लगता है कि 2–3 ऐसी बातें हैं जिनके बारे में मैं आज कुछ नहीं कहना चाहता। मैं बस यही चाहता हूं कि दर्शक पहले इसे देखें। अगर वे उन बातों पर ध्यान नहीं देते हैं, तो हम बहुत सफल होंगे। इसीलिए अभी उनके बारे में बताकर मैं किसी का ध्यान उस ओर नहीं खींचना चाहता। इस दौरान नमित मल्होत्रा से क्रिस्टोफर नोलन की आने वाली पौराणिक महाकाव्य फिल्म श्द ओडिसीश से तुलना के बारे में भी पूछा गया। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारतीय जड़ों वाली कहानी पर आधारित श्रामायणश भी वैसी ही उत्सुकता पैदा कर सकती है, तो नमित ने कहा कि मुझे लगता है कि एक भारतीय के तौर पर यह हमारे हाथ में है कि हम इसे किस रास्ते और किस मुकाम पर ले जाते हैं और दुनिया के सामने किस भरोसे के साथ पेश करते हैं। अपनी टीम के टेक्निकल काम के बारे में उन्होंने कहा कि हम अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं। हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं ताकि अपना बेस्ट दे सकें। सभी के जोश और उत्साह के साथ, यह दुनिया भर के हर भारतीय के लिए गर्व का पल होगा। नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बन रही ‘रामायण’ में रणबीर भगवान राम, साई पल्लवी सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे। श्रामायणश अब तक की सबसे बड़ी और सबसे महंगी भारतीय फिल्मों में से एक है। यह फिल्म दो पार्ट में रिलीज होगी, जिसमें पहला पार्ट इस साल दिवाली पर रिलीज होगा। जबकि दूसरा पार्ट अगले साल 2027 की दिवाली पर रिलीज होगा।

सावन में बनाएं मीठी आलू टिक्की, बॉडी को मिलेगी भरपूर एनर्जी

पति की लंबी उम्र से लेकर परिवार में सुख– समृद्धि के लिए महिलाएं इस दौरान भगवान शिव की आराधना करती हैं। इस दौरान सोमवार के व्रत भी रखे जाते हैं। अगर आप भी भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए व्रत रख रहीं हैं तो इस दौरान खुद को energetic रखने के लिए आलू की मीठी टिक्की बना सकती हैं। इससे बॉडी को इंस्टेंट एनर्जी देता है। आइए आपको बताते हैं आलू के टिक्की की रेसिपी...

सामग्री

आलू– 7 से 8 मीडियम साइज के
गुड़ का बूरा– 100 ग्राम
काजू– 2 टेबल स्पून
बादाम– 1 टेबल स्पून
चिरौंजी–) टेबल स्पून
नारियल का बुरा– 1 टेबल स्पून
घी– 4 टेबल स्पून

आलू टिक्की बनाने की विधि

1. आलू को धोकर अच्छी तरह साफ कर लें और फिर इसे छिलके समेत उबाल लें।

2. 4 से 5 सीटी आने पर गैस बंद करें और आलू को ठंडा होने पर छील लें।

3.अब स्मैशर की मदद से आलू को अच्छी तरह तोड़ लें और फिर हाथों से आलू मिलाएं जैसे आटा गूंधते हैं।

4. काजू और बादाम को बारीक टुकड़ों में काट लें और चिरौंजी समेत काजू–बादाम को पैन में ड्राई रोस्ट कर लें।

5. अब ड्राई रोस्ट किए हुए ड्राई फ्रूट्स में नारियल का बूरा और गुड़ का बूरा डालकर अच्छी तरह मिला लें।

6.आलू की छोटी–छोटी लोई लें और उसमें इस गुड़ वाले मिश्रण करें।

7. स्टफिंग इतना ही भरें कि सेंकते हुए टिक्की से यह मिश्रण बाहर न आ जाए।

8. सभी को इसी तरह भर लें और गैस पर तवा चढ़ाएं।

9. जब तवा गर्म हो जाए, तब इस पर घी डालें और स्टफ किए हुए टिक्की को तवे पर रखकर धीमी आंच पर सेकें।

10. इस मीठी टिक्की को गर्मागर्म सर्व करें, इससे आपको दिन भर एनर्जी रहेगी।

अब एक बार में 50 तरह के कैंसर की होगी पहचान, नए टेस्ट से जगी उम्मीद

कैंसर जैसी घातक बीमारी जितनी तेजी से फैल रही है उतनी ही तेजी से इसे लेकर जांच भी बढ़ रही है। डॉक्टर विभिन्न प्रकार के तरीकों का उपयोग करके कई सामान्य प्रकार के कैंसर के लिए नियमित जांच की सलाह देते हैं। इसी बीच

एक नए ब्लड टेस्ट की जानकारी मिली है, जिसकी मदद से 50 प्रकार के कैंसर का पता लगाया जा सकेगा।

हेल्थकेयर कंपनी ने किया विकसित

ब्रिटेन की स्वास्थ्य एजेंसी नेशनल हेल्थ सर्विस ने इस टेस्ट का परीक्षण शुरू कर दिया है, इसका नाम गैलेरी ब्लड टेस्ट रखा गया है। बताया जा रहा है कि इस टेस्ट को हेल्थकेयर कंपनी ग्रेल ने विकसित किया है। टेस्ट का परीक्षण1,40,000

स्वस्थ लोगों पर किया जा रहा है, माना जा रहा है कि ये पहला ऐसा परीक्षण है जिसे नेशनल हेल्थ सर्विस कैंसर रिसर्च यूके और किंग्स कॉलेज लंदन के साथ मिलकर कर रहे हैं।

दावा किया जा रहा है कि खून की जांच से ही कैंसर का शुरुआती दौर में ही पता चला जाएगा। वैज्ञानिकों ने यह दावा छह हजार से अधिक लोगों के खून परीक्षण के बाद किया है। गैलरी टेस्ट से एक नहीं बल्कि पचास से अधिक प्रकार के कैंसर का पता लगाया जा सकेगा।

गैलरी टेस्ट एक टेस्ट है, जिसका इसका मेन काम है उन बायोलॉजिकल सिग्नल्स या संकेतों को ढूंढना जो हिंट दें कि शरीर में कैंसर मौजूद है। ये ब्लड–स्ट्रीम में मौजूद कैंसर सेल्स द्वारा छोड़े हुए को डिटेक्ट कर बीमारी का पता लगाता है। खून के परीक्षण से ये अनुमान भी लगाया जा सकता है कि शरीर में संभावित खतरा कहां पर है। टेस्ट के रिजल्ट्स 50 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों के परीक्षण पर आधारित हैं।

सावन: भोले बाबा को प्रसन्न करने के लिए महिलाएं इन चीजों से करें खुद का श्रृंगार

सावन का पवित्र महीना इस साल कई मायनों में खास है।,इस बार मलमास लगने के कारण सावन का महीना पूरे 59 दिनों का होने जा रहा है। मान्यताओं के अनुसार, इस महीने भगवान शिव की पूजा–अर्चना करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। मान्यता यह है कि इस दौरान हर सुहागिन महिला अपने पति की खुशहाली के लिए कामना करती रहती है, क्योंकि पति से ही महिला का सौभाग्य माना जाता है। चाहे कुंवारी लड़कियां हो या शादीशुदा महिलाएं सभी भगवान शिव को मनाने के लिए सावन मास में विशेष जतन करती हैं। इस दौरान शादीशुदा महिलाएं ना सिर्फ वक्र करती हैं बल्कि सोलह श्रृंगार करके पति की लंबी उम्र की कामना भी करती हैं। शास्त्रों के अनुसार सोलह श्रृंगार सिर्फ खूबसूरती ही नहीं महिलाओं के भाग्य को भी बढ़ाता है। चलिए जानते हैं सोलह श्रृंगार में होते हैं कौन–कौन से

लाल जोड़ा

सावन महीने में भगवान शिव का आर्शीवाद पाने के लिए आप लाल रंग के कपड़े पहनें। इसे सोलह श्रृंगार का हिस्सा माना जाता है। भूलकर भी सावन में काले रंग के वस्त्र ना पहनें।

बिंदी

दोनों भौंहों के बीच कुमकुम से लगाई जाने वाली बिंदी भगवान शिव के तीसरे नेत्र का प्रतीक मानी जाती है। सुहागिन महिलाएं कुमकुम या सिंदूर से लाल बिंदी जरूर लगाएं।

मेहंदी

मेहंदी को सुहागिन का अहम शगुन माना जाता है। इसलिए हाथों पर मेहंदी लगाकर शगुन जरूर करें।

झुमके

सोलह श्रृंगार झुमकों के बिना अधूरा–सा लगता है। कहा जाता है कि महिलाओं को अपने कान सूने नहीं रखने चाहिए ।

काजल

काजल अशुभ नजरों से बचाव करता है। इसलिए काजल लगाना हर स्त्री के लिए बेहद शुभ माना जाता है

सिंदूर

सावन महीने में चटक लाल रंग का सिंदूर भरना चाहिए। मान्यता है कि इससे पति की उम्र लंबी होती है और भोलेनाथ भी प्रसन्न रहते हैं।

गजरा

जमाना चाहे कोई भी हो गजरे का ट्रैंड हमेशा एवरग्रीन रहता है। ऐसे में सावन महीने में आप पति के हाथों से गजरा जरूर पहनें।

मंगलसूत्र

सुहागिन स्त्रियों को कभी भी खाली गले से नहीं रहना चाहिए। इसके लिए सबसे आदर्श मंगलसूत्र माना जाता है।

बाजूबंद

महिलाओं का यह आभूषण सोने या चांदी से बना हुआ होता है। कहा जाता है इसे पहनने से परिवार के धन की रक्षा होती है।

हरी–लाल चूड़ियां

सावन में सिर्फ शादीशुदा ही नहीं बल्कि कुंवारी लड़कियां भी हरी–लाल चूड़ियां पहनती हैं। हरा रंग प्रकृति का माना जाता है जो जीवन में खुशियां लाता है। वहीं, लाल रंग सुहागिन औरत के जीवन में खुशियां व सौभाग्य लाता है।

नथ

हिंदू धर्म में सुहागिन स्त्रियों को नाक में कोई आभूषण पहनना अनिर्वाय माना गया है। नोजपिन को सुहाग की निशानी से जोड़कर देखा जाता है।

बिछुआ

पैरों की अंगुलियों में पहने जाने वाला ये चांदी का बिछुआ इस बात का प्रतीक होता है कि दुल्हन शादी के बाद सभी परेशानियों का हिम्मत के साथ मुकाबला करेगी.

मांग टीका

माथे के बीचों–बीच पहने जाने वाला मांग टीका हर लड़की की सुंदरता में चार चांद लगा देता है।

पायल

पांव में चांदी के पायल या पाजेब पहनना भी महिलाओं के 16 श्रृंगारों में से एक होता है

अंगूठी

अंगूठी वाली उंगली की नस मस्तिष्क से जुड़ी हुई है। माना जाता है कि इससे मस्तिष्क की सक्रियता बढ़ती है।

कमरबंद

कमरबंद प्रतीक होता है कि सुहागन अब अपने घर की स्वामिनी है

पेरेंट्स के निगेटिव कमेंट्स का बच्चे के कोमल मन पर पड़ता है बुरा असर, आज ही सुधारें ये आदत

बच्चों की अच्छी परवरिश करना कोई खेल नहीं है। हर माता–पिता अपने बच्चे को अच्छे गुण और संस्कार देना चाहते हैं। जब एक बच्चे का जन्म होता है, तो उस के साथ ही माता–पिता का भी जन्म होता है। हालांकि बच्चे की परवरिस में कई गलतियां, एक्सपीरियंस और नई–नई पेरेंट्स को भी सीखने को मिलती हैं। इसीलिए पेरेंट्स होने के नाते आपको संभलकर रहने की आवश्यकता होती है। क्योंकि आपके द्वारा की गई एक छोटी सी गलती आपके बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास पर बुरा असर डाल सकती है। वहीं पेरेंट्स के निगेटिव कमेंट्स का बच्चे पर बुरा असर पड़ता है।

अक्सर जब भी बच्चे गलतियां करते हैं तो पेरेंट्स उनको डांटने लगते हैं। कई मामलों में माता–पिता बच्चों को सजा भी देते हैं। बता दें कि बच्चे पर डांटने, मारने व निगेटिव बातों का बुरा असर पड़ता है और यह उनके कोमल मन को आहत करता है। आपके द्वारा कही गईं कुछ निगेटिव बातें बच्चे को डिप्रेशन का शिकार बना सकती हैं। ऐसे में अगर आप भी बच्चे के साथ इसी तरह का व्यवहार करते हैं, तो आपको अपनी आदत सुधारने की जरूरत है। आइए जानते हैं कि हर माता–पिता इन आदतों को कैसे सुधार सकता है।

सोच कर बोलें

अगर आप भी बात–बात पर बच्चों को डांटते हैं तो आप खुद को थोड़ा शांत करिए। अक्सर माता–पिता बच्चे की गलती होने पर उसे डांट देते हैं, या गुस्से में कुछ ऐसा बोल जाते हैं। जिससे बच्चे के कोमल दिल पर इसका बुरा असर पड़ता है। इसलिए बच्चे को कुछ कहने या डांटने से पहले एक बार वह चीज खुद पर अप्लाई करके देखिए। अगर कोई आपके साथ ऐसा व्यवहार करता है तो आपको कैसा लगेगा। इसी तरह बच्चे को डांटने से पहले एक बार सोच–विचार जरूर कर लें।

प्यार से समझाएं

अगर आप भी बच्चे को खाने–पीने या कपड़े आदि पहनने के स्टाइल को लेकर उसे झिड़क देते हैं या गलत शब्द कहते हैं। तो यह काफी गलत आदत है। पेरेंट्स से इस तरह की बातों से बच्चे के मन में असुरक्षा की भावना आ जाती है। इसलिए बच्चे को डांटने या निगेटिव कमेंट करने की जगह उसे प्यार से समझाएं। आप उसे सही तरीके से खाने, बात करने व कपड़े पहनने आदि के तरीकों के बारे में बता व सिखा सकते हैं।

जरूरी नहीं हर बार मिले सफलता

हर माता–पिता अपने बच्चे को लेकर काफी प्रोटेक्टिव होते हैं। ऐसे वह बच्चे से कई उम्मीदें पाल लेते हैं। वह चाहते हैं कि बच्चे हर जगह अपना बेहतर प्रदर्शन करें। लेकिन हर बार ऐसा जरूरी नहीं होता है। अगर बच्चा एग्जाम में फेल होता है, या उसके कम नंबर आते हैं तो उस पर निगेटिव कमेंट करने से बचना चाहिए। क्योंकि एक कहावत है कि इंसान अपनी गलतियों से ही सीखता है। इसलिए बच्चे को भी थोड़ी–बहुत गलती करने दें।

रोना भी है जरूरी

कई बार जब पेरेंट्स बच्चों को उनकी गलती के लिए डांट देते हैं, तो बच्चा रोने लगता है। वहीं बच्चे को रोता देख पेरेंट्स भी अपनी भावनाओं पर कंट्रोल नहीं कर पाते और बच्चे को चुप करवाने लगते हैं। लेकिन अगर आप भी ऐसा करते हैं तो आपको एक बार सोचने की जरूरत है। क्योंकि कई बार बच्चों को रोने देना भी जरूरी होता है। इसलिए बच्चे को बिना कारण न मनाएं।

महीने तक खराब नहीं होंगे नींबू, स्टोर करने से पहले अपना लें ये हैक

गर्मी के मौसम में नींबू तो हर किचन में मौजूद होते हैं क्योंकि इस दौरान घरों में नींबू पानी का आनंद लिया जाता है। इसके अलावा भी इससे कई तरह की चीजें तैयार की जाती है। नींबू नेचर में थोड़ा एसिडिक होते हैं जिसके कारण इन्हें यदि सही तापमान में न रखा जाए तो यह खराब होने लगते हैं। कई महिलाएं तो महीने भर की नींबू इकट्ठे ही लाकर रख लेती हैं लेकिन ऐसे में यह खराब भी हो सकते हैं। आज आपको कुछ ऐसे आसान हैक्स बताते हैं जिनसे आपके नींबू महीने तक खराब नहीं होंगे। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

एयरटाइट कंटेनर में करें स्टोर

यदि आप चाहते हैं कि नींबू महीनों तक एकदम फ्रेश रहे तो इन्हें आप किसी एयर टाइट कंटेनर में स्टोर करके रखें। इसके लिए नींबू को धोकर अच्छी तरह सुखा लें। इसके बाद किसी पॉलिथिन में पैक करके इन्हें एयरटाइट कंटेनर में रखें। एयरटाइट कंटेनर को फ्रिज में रख दें। इससे यह बिल्कुल भी खराब नहीं होंगे और एकदम फ्रेश रहेंगे।

जिप लॉक बैग आएगा काम

इसके अलावा इन्हें स्टोर करने के लिए आप जिपलॉक बैग का इस्तेमाल कर सकती हैं। जिप लॉक बैग आपको बाजार में आसानी से मिल जाएगा। इसमें नींबू रखें। इसमें रखे हुए नींबू काफी समय तक फ्रेश रहेंगे और बिल्कुल भी खराब नहीं होंगे।

तेल आएगा काम

नींबू को लंबे समय तक फ्रेश रखने के लिए पहले आप हाथों में हल्का सा तेल लगा लें। इसके बाद इन्हें एक डिब्बे में रखें। इस डिब्बे को आप फ्रिज में रखें। इस ट्रिक के जरिए भी नींबू काफी समय तक फ्रेश रहेंगे और खराब नहीं होंगे।

एल्यूमिनियम फॉयल में लपेट कर रखें

इन्हें आप एल्यूमिनियम फॉयल में लपेट कर रख सकते हैं। इनमें लपेट कर रखने से नींबू में नमी नहीं आएगी और यह एकदम फ्रेश रहेंगे।

ब्राउन पेपर में लपेटकर रखें

नींबू को लंबे समय तक फ्रेश रखने के लिए आप इन्हें पहले धो लें। इसके बाद कॉटन के कपड़े से साफ करें। फिर इसको ब्राउन कलर के टिश्यू पेपर में लपेटकर प्लास्टिक के बॉक्स में रख दें। इसके बाद बॉक्स को ढक्कन लगा दें। डिब्बा फ्रिज में रख दें और जरुरत पड़ने पर निकाल लें। इससे नींबू एकदम फ्रेश रहेगा।

संक्षिप्त

तीन साल बाद श्रीसंत पर क्यों मेहरबान हुई केरल क्रिकेट एसोसिएशन? खेलने पर लगा बैन हटाया

त्रिवेंद्रम,एजेंसी। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत को बड़ी राहत मिली है। केरल क्रिकेट एसोसिएशन ने उन पर लगाया गया तीन साल का प्रतिबंध वापस लेने का फैसला किया है। यह निर्णय श्रीसंत की ओर से बिना शर्त माफी मांगने के बाद लिया गया। केसीए ने श्रीसंत पर दृश्य और सोशल मीडिया के जरिए एसोसिएशन की छवि खराब करने वाली टिप्पणियां करने का आरोप लगाया था। इसी मामले में उन पर तीन साल का प्रतिबंध लगाया गया था। श्रीसंत ने इस फैसले को तिरुवनंतपुरम मुनसिफ कोर्ट में चुनौती भी दी थी, लेकिन उनकी याचिका खारिज हो गई। इसके बाद श्रीसंत ने केसीए को आधिकारिक तौर पर बिना शर्त माफी भेजी और अपने बयान पर खेद जताया। एक जुलाई 2026 को हुई केसीए की विशेष आम सभा में इस माफी पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से फैसला लिया गया कि चूंकि श्रीसंत ने बिना किसी शर्त के खेद व्यक्त किया है, इसलिए उनका प्रतिबंध वापस लिया जाए। हालांकि, केसीए ने स्पष्ट चेतावनी भी दी कि भविष्य में यदि उन्होंने दोबारा ऐसा कोई व्यवहार किया तो उनके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रतिबंध हटने के बाद श्रीसंत अब केरल क्रिकेट लीग के तीसरे सीजन में एरीज कोल्लम सेलर्स फ्रेंचाइजी के सह–मालिक के रूप में अपनी भूमिका जारी रख सकेंगे। ज्ञ। ने पिछली KCL सत्र से पहले उन पर यह प्रतिबंध लगाया था। एस श्रीसंत ने भारत के लिए तीनों अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों में खेला। उन्होंने 27 टेस्ट मैचों में 87 विकेट, 53 वनडे में 75 विकेट और 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में सात विकेट लिए। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनके नाम 74 मैचों में 213 विकेट दर्ज हैं, जबकि लिस्ट–ए में 124 और टी20 क्रिकेट में 54 विकेट लेकर उन्होंने घरेलू क्रिकेट में भी अपनी छाप छोड़ी।

जून में यूपीआई से हर दिन 75 करोड़ से अधिक लेनदेन

नई दिल्ली,एजेंसी। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) से लेनदेन जून में सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 22.72 अरब पर पहुंच गया है। इस दौरान इनकी वैल्यू 20 प्रतिशत बढ़कर 28.92 लाख करोड़ रुपए हो गई है। यह जानकारी नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की ओर से बुधवार को जारी डेटा में दी गई। औसत आधार पर यूपीआई से जून में 75.7 करोड़ लेनदेन प्रतिदिन हुए है। इस दौरान प्रतिदिन लेनदेन की औसत वैल्यू 96,405 करोड़ रुपए रही है। मई में यूपीआई लेनदेन की संख्या 23.20 अरब थी और इनकी वैल्यू 29.90 लाख करोड़ रुपए रही थी। इस दौरान औसतन, यूपीआई ने मई में हर दिन लगभग 74.8 करोड़ लेनदेन प्रोसेस किए। वहीं, प्रतिदिन लेनदेन की औसत वैल्यू लगभग 96,465 करोड़ रुपए रही। 10 साल पहले आम आदमी को डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम से जोड़ने के लिए शुरू हुआ यूपीआई अब पूरे भारत में रोजाना करोड़ों लेनदेन को आसान बनाता है। यूपीआई लेनदेन की संख्या वित्त वर्ष 2016–17 में सिर्फ 2 करोड़ थी, जो वित्त वर्ष 2025–26 में बढ़कर 24,162 करोड़ से अधिक हो गई है। यूपीआई अब यूएई, सिंगापुर, फ्रांस, मॉरिशस और श्रीलंका समेत आठ से अधिक देशों में उपलब्ध है, जिससे ग्लोबल फिनटेक सेक्टर में भारत की मौजूदगी मजबूत हुई है। हाल ही में ग्रीस में यूपीआई के शुरू होने के बाद ग्राहक तुरंत, सुरक्षित और आसानी से पैसे भेज सकते हैं और लेनदेन की लागत पारंपरिक तरीकों की तुलना में बहुत कम हो गई है। पिछले महीने, अमेरिका के पेमेंट सिस्टम के भविष्य पर चर्चा करते हुए अमेरिकी सांसदों ने भारत के यूपीआई का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि कैसे आधुनिक पब्लिक पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट सेक्टर में इनोवेशन को बढ़ावा दे सकता है। इस दौरान फिनटेक कंपनियों ने कांग्रेस से अमेरिका के पेमेंट नेटवर्क तक पहुंच से जुड़े नियमों में बड़े बदलाव करने की मांग की। भारत के साथ यह तुलना हाउस फाइनेंशियल सर्विसेज कमेटी की फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस पर बनी सब–कमेटी की सुनवाई के दौरान की गई। इसमें सांसदों ने इस बात पर विचार किया कि क्या अमेरिका को अपने रेगुलेटरी फ्रेमवर्क को आधुनिक बनाना चाहिए, ताकि योग्य नॉन–बैंक पेमेंट कंपनियों को पारंपरिक बैंकिंग बिचौलियों पर निर्भर रहने के बजाय सीधे फेडरल रिजर्व के पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच मिल सके।

19 केजी के एलपीजी कमर्शियल सिलिंडर का दाम 183 घटा, दिल्ली में 2930 रुपये नई कीमत

नई दिल्ली,एजेंसी। एक बड़ी राहत के तौर पर, तेल मार्केटिंग कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की कीमत में 183.50 रुपये की कटौती की है। इस फैसले से रेस्टोरेंट, ढाबे, होटल और खाने–पीने के कारोबार से जुड़े लोगों को राहत मिलेगी। कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की नई कीमतें आज, 1 जुलाई 2026 से लागू हो गई हैं। तेल वितरक कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की कीमत में 183.50 रुपये की कटौती की है। नई दरें लागू होने के बाद राजधानी दिल्ली में यह सिलिंडर अब 2,930 रुपये का हो गया है, जो कि पहले 3,113.50 रुपए था। इस राहत से होटल, रेस्तरां, ढाबों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सीधा फायदा मिलेगा, जहां कमर्शियल गैस सिलिंडर का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। हालांकि, 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है।

ईशान किशन बने टी20 के नंबर–1 बल्लेबाज, अभिषेक शर्मा को छोड़ा पीछे

दुबई,एजेंसी। भारतीय विकेटकीपर–बल्लेबाज ईशान किशन ने आईसीसी की ताजा पुरुष खिलाड़ी रैंकिंग में अपने साथी अभिषेक शर्मा को पछाड़कर दुनिया के नंबर–1 टी20 इंटरनेशनल बल्लेबाज का स्थान हासिल कर लिया है। इसके साथ ही इस छोटे फॉर्मेट में पिछले करीब एक साल से शीर्ष पर चल रहे अभिषेक शर्मा का राज खत्म हो गया है। एक और बड़े बदलाव के तहत, ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड अपने करियर में पहली बार टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर–1 पायदान पर पहुंच गए हैं। बुधवार को जारी आईसीसी रैंकिंग के ताजा अपडेट में ईशान किशन ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल करते हुए अभिषेक शर्मा को पीछे छोड़ दिया। यह बदलाव भारत की बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ 2–0 से टी20 सीरीज हारने के बाद हुआ है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के शीर्ष पर पहुंचने की मुख्य वजह इस साल की शुरुआत में आईसीसी टी20 विश्व कप में उनका शानदार प्रदर्शन रहा, जहां उन्होंने लगभग 200 के स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाए थे। उनके इस अभियान में कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई प्लेयर ऑफ द मैच वाली पारी भी शामिल थी। अभिषेक शर्मा, जो पिछले लगभग 12 महीनों से नंबर–1 के पायदान पर काबिज थे, अब रेटिंग अंकों के मामले में ईशान किशन से केवल सात रेटिंग पॉइंट पीछे रह गए हैं। इस उपलब्धि के साथ ही ईशान किशन टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में नंबर–1 रैंकिंग हासिल करने वाले विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव जैसे दिग्गजों की एलीट लिस्ट में शामिल हो गए हैं। वह ऐसा करने वाले चौथे भारतीय पुरुष बल्लेबाज बने हैं। टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग के अन्य बदलावों में, आयरलैंड के कप्तान लॉर्कन टकर चार पायदान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 77वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि रॉस अडायर भारत के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद छह स्थान सुधरकर 84वें नंबर पर आ गए हैं। गेंदबाजी में, आयरिश तेज गेंदबाज मैथ्यू हम्फ्रीज सीरीज में चार विकेट लेने के बाद एक स्थान ऊपर चढ़कर करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। टी20 ऑलराउंडरों की सूची में भारत के शिवम दुबे तीन स्थान ऊपर उठकर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि आयरलैंड के गैरेथ डेलानी और हैरी टेक्टर क्रमशः 24वें और 38वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में भी बड़े बदलाव देखने को मिले हैं, जहां ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड अपने करियर में पहली बार दुनिया के नंबर–1 टेस्ट बल्लेबाज बन गए हैं। हेड ने इंग्लैंड के हैरी ब्रूक की जगह शीर्ष स्थान हासिल किया है। ऐसा तब हुआ जब ब्रूक और जो रूट दोनों का न्यूजीलैंड के खिलाफ नॉटिंघम टेस्ट में प्रदर्शन बेहद साधारण रहा। इस वजह से ब्रूक खिसककर दूसरे स्थान पर आ गए, जबकि जो रूट दो पायदान नीचे गिरकर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

भारतीय तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में एक बार फिर से अकेले नंबर–1 का स्थान हासिल कर लिया है। ऐसा न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी के फिसलकर दूसरे स्थान पर पहुंचने के कारण हुआ। दूसरी तरफ, ट्रेंट ब्रिज में इंग्लैंड पर न्यूजीलैंड की जीत के चलते उनके कई बल्लेबाजों को रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। रचिन रवींद्र दो स्थान चढ़कर सातवें, डेरिल मिचेल पांच पायदान आगे बढ़कर 11वें, डेवोन कॉनवे 14 स्थानों की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 15वें और टॉम लैथम 12 स्थान ऊपर उठकर टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में संयुक्त रूप से 31वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में आठ स्थान के सुधार के साथ 38वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, मैच के बीच में ही संन्यास की घोषणा करने वाले इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में दो स्थान ऊपर उठकर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत नंबर–3 के रूप में किया। इसके अलावा, एंटिगा में श्रीलंका पर मिली जीत में शानदार प्रदर्शन करने वाले वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों शामर जोसेफ और केमार रोच को भी रैंकिंग में फायदा मिला है। जोसेफ टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में नौ स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि रोच चार पायदान ऊपर चढ़कर 17वें स्थान पर आ गए हैं।

2011 की जीत देख रो पड़े थे, फिर कैसे तय किया डेब्यू तक का सफर? सूर्यांश शेडगे का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे ने खुलासा किया है कि साल 2011 में भारत की ऐतिहासिक विश्व कप जीत ने उनके भीतर देश के लिए खेलने का जुनून पैदा किया था। उन्होंने बताया कि जब भारत चौंपियन बना, तो उस जीत को देखकर उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। उसी ऐतिहासिक पल में उन्होंने यह कसम खा ली थी कि वह एक दिन नीली जर्सी पहनेंगे और दुनिया के सबसे बड़े मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के चोटिल होने के बाद सूर्यांश शेडगे की किस्मत का दरवाजा खुला। उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया। इसके बाद, रविवार को स्टॉर्मोंट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब मैदान पर आयरलैंड के खिलाफ खेले गए दूसरे टी20 मैच में उन्होंने भारत के लिए अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय मैच (डेब्यू) खेला। भारतीय टीम में जगह बनाने के बाद अपनी इस अविश्वसनीय यात्रा पर बात करते हुए सूर्यांश शेडगे ने उस पल को याद किया, जिसने उनके जीवन को हमेशा के लिए बदल दिया। शेडगे ने कहा कि क्रिकेट देखते हुए मैं अपने जीवन में पहली बार तब रोया था, जब भारत ने 2011 का विश्व कप जीता था। उस रात जब भारतीय टीम ट्रॉफी उठा रही थी, तो उसे देखकर मेरे अंदर कुछ बदल गया। मैंने उसी पल तय कर लिया कि मुझे भी एक दिन सबसे बड़े मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना है। उसी दिन से मैंने इस सपने को जीने और इसके लिए कड़ी मेहनत करना शुरू कर दिया था। शेडगे ने बताया कि मैं अच्छी तरह जानता था कि यह रास्ता आसान नहीं होने वाला है, लेकिन मैं हर चुनौती और कड़ी मेहनत के लिए तैयार था। जब मैंने पहली बार भारतीय टीम की आधिकारिक जर्सी पहनी, तो उस फीलिंग को शब्दों में बयां करना नामुमकिन है। सुबह जल्दी उठना, मैदान पर पसीना बहाना और कई तरह के त्याग करना, उस एक पल में सब कुछ सफल हो गया। बचपन से मैंने सिर्फ इसी दिन का सपना देखा था। भारतीय जर्सी पहनना मेरे लिए सिर्फ एक सपने का पूरा होना भर नहीं है, बल्कि यह मेरे करियर की एक नई शुरुआत है। सूर्यांश ने उस पल को भी याद किया जब उनके चयन की आधिकारिक घोषणा हुई थी।

उन्होंने बताया कि उन्हें सबसे पहले बधाई देने वालों में टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह शामिल थे। शेडगे ने कहा कि जब मेरा चयन भारतीय टीम में हुआ, तो अर्शदीप सिंह पाजी ने मुझे सीधे वीडियो कॉल किया। उन्होंने मुझे दिल से बधाई दी और अपना खुद का चयन का अनुभव भी मुझसे साझा किया। हमने कुछ देर बातचीत की। वह पल मेरे लिए बहुत ज्यादा इमोशनल था। उस समय मुझे खुद पर यकीन नहीं हो रहा था कि मेरा सपना सच हो चुका है। आज भी जब मैं सोचता हूं, तो यह किसी खूबसूरत सपने जैसा लगता है। शेडगे ने टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर के प्रभाव पर भी खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अय्यर के साथ उनका रिश्ता सिर्फ मैच के दिनों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे अक्सर खेल की बारीकियों को समझने के लिए लंबी चर्चा करते हैं।

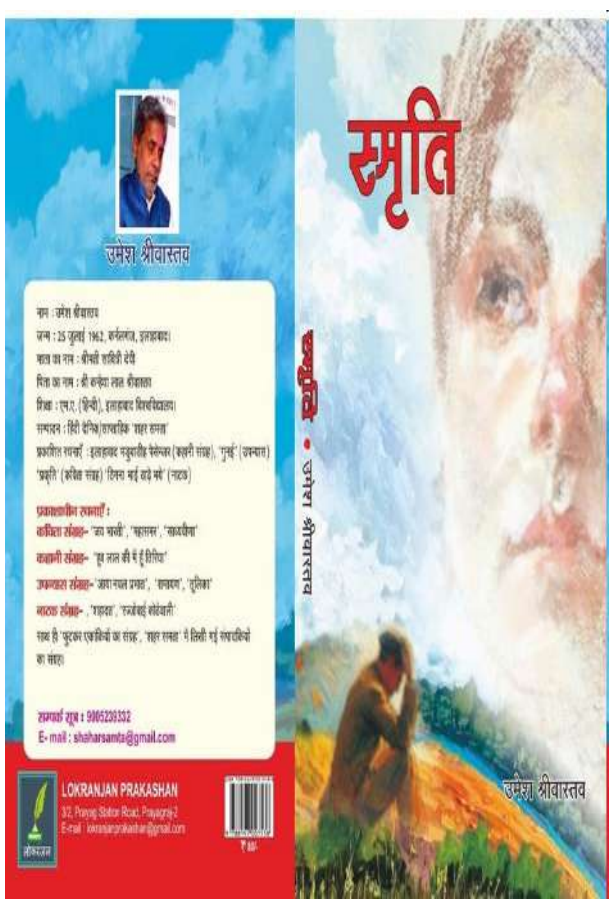

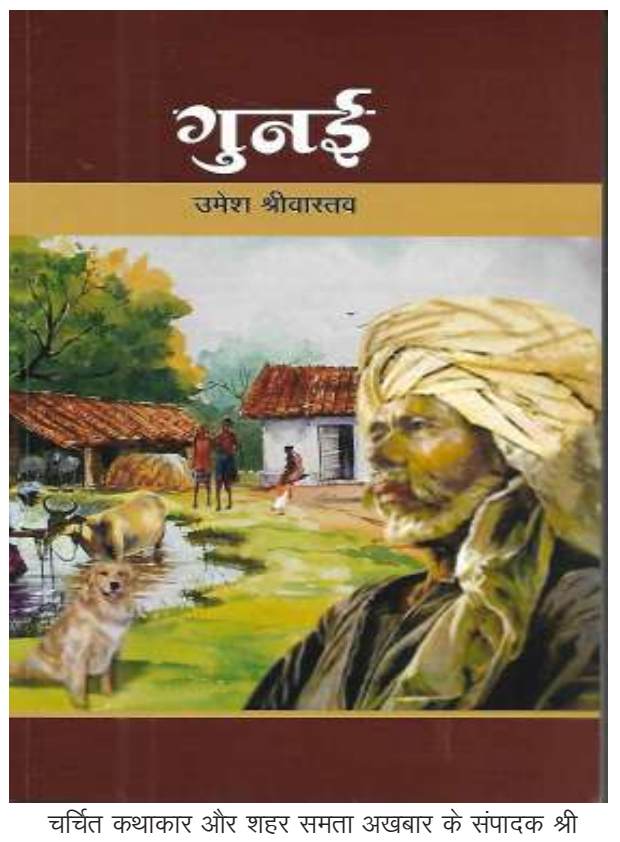

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

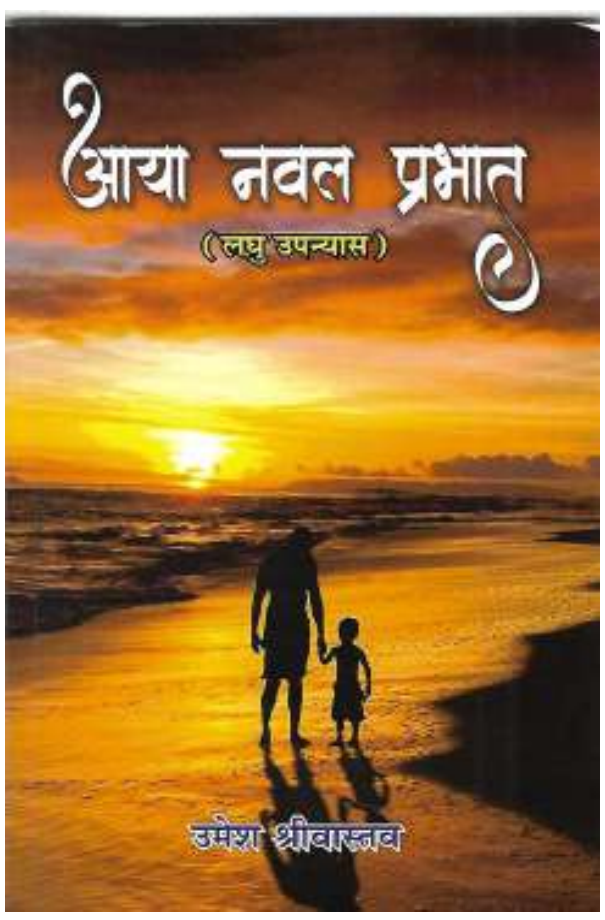

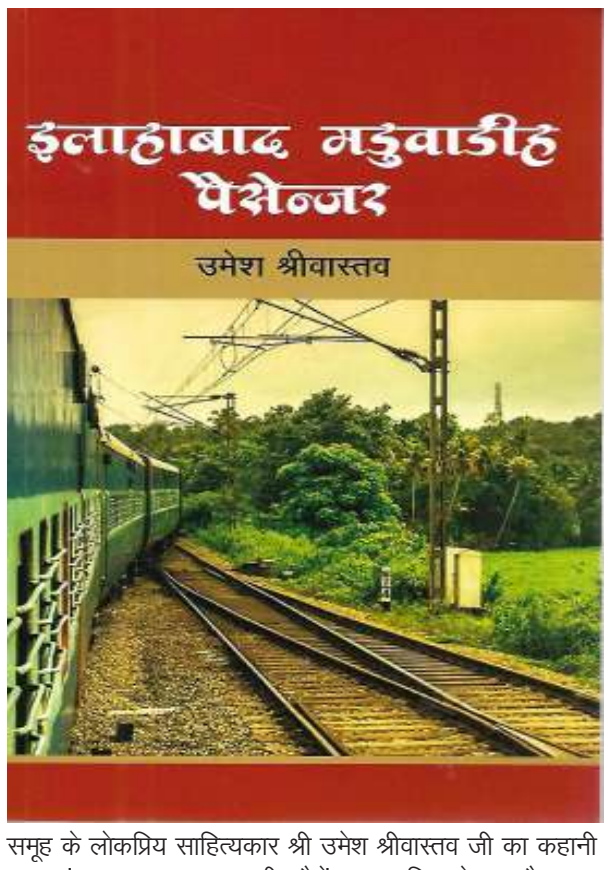

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

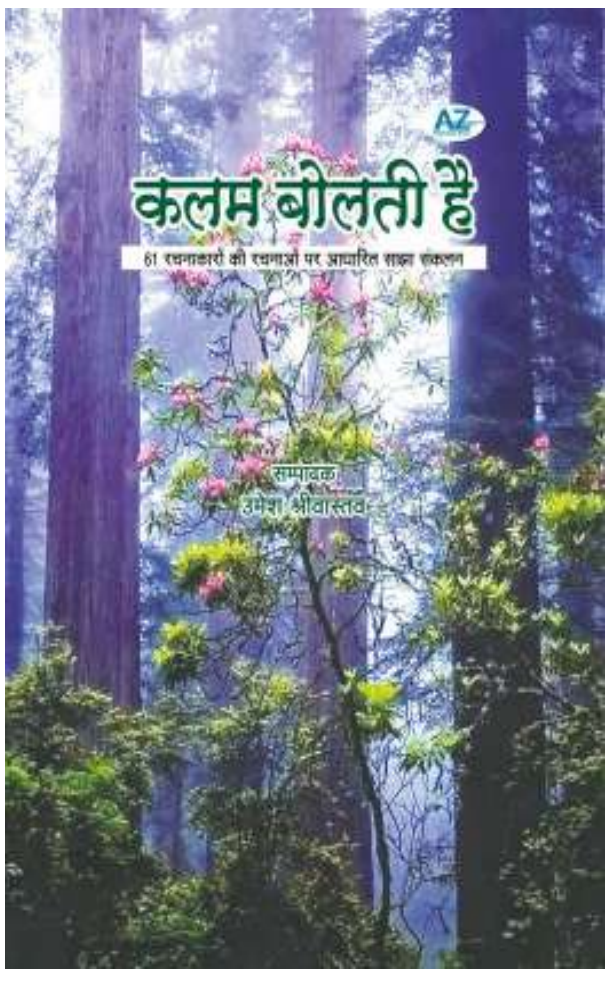

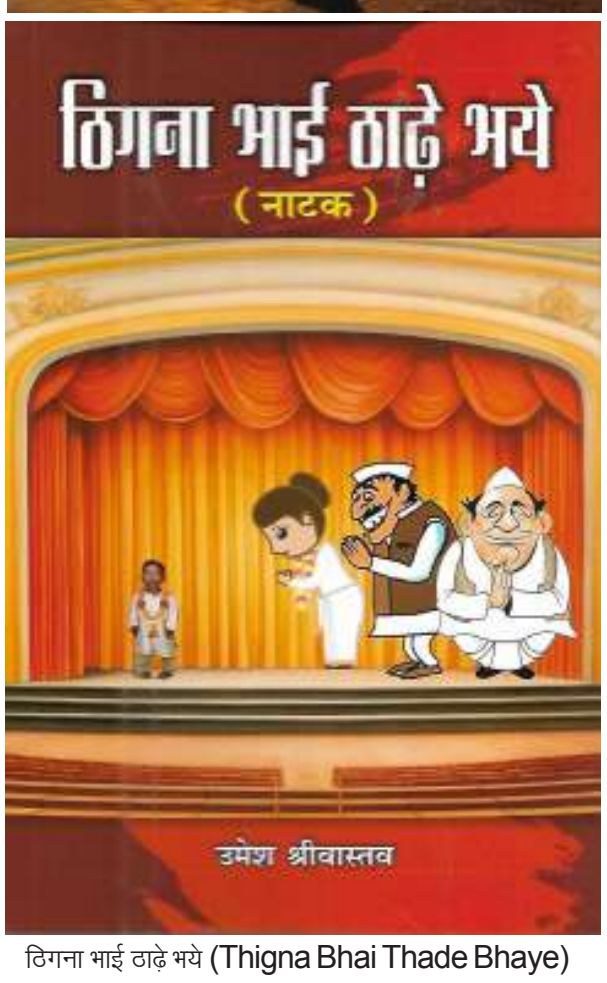

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

जापान के लिए भारत क्यों है अहम?: पीएम ताकाइची ने दिल्ली रवाना होने से पहले बताई वजह, आज पीएम मोदी से मुलाकात

टोक्यो, एजेंसी। जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने बुधवार को भारत दौरे से पहले आयोजित एक अनौपचारिक प्रेस वार्ता में कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्थिति में बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच भारत के साथ सहयोग का महत्व और बढ़ गया है।

उन्होंने कहा कि भारत और जापान के साझा मूल्यों तथा रणनीतिक हितों को ध्यान में रखते हुए दोनों देशों के बीच सहयोग को नई दिशा देने का यह महत्वपूर्ण अवसर है। ताकाइची बुधवार शाम भारत पहुंचेंगी और गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगी। भारत के साथ सहयोग का महत्व लगातार बढ़ रहा है–तकाइची प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने कहा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता के बीच भारत के साथ सहयोग का महत्व लगातार बढ़ रहा है। इस यात्रा के दौरान मैं प्रधानमंत्री मोदी के साथ मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ठोस सहयोग को आगे बढ़ाना चाहती हूं। उन्होंने बताया कि इन क्षेत्रों में जापान–भारत रणनीतिक सहयोग संबंधों को और गहरा करना, आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाना तथा दोनों देशों की कंपनियों के बीच निवेश और नवाचार को प्रोत्साहित करना शामिल है। जापानी प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत यात्रा के दौरान जापान–भारत आर्थिक मंच का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें जापान के कारोबारी समुदाय से 150 से अधिक लोग भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार और निजी क्षेत्र को साथ लाकर दोनों देशों के सहयोग का दायरा बढ़ाने और मजबूत अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। भारत क्यों जापान के लिए जरूरी? ताकाइची ने कहा कि भारत, जापान की तरह एशिया का एक प्रमुख लोकतांत्रिक देश है और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी निभाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ श्फ्री एंड ओपन इंडो–पैसिफिकश (एफओआईपी) की दिशा में प्रयासों पर भी चर्चा होगी। इस दौरान जापान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और भारत के ढांचे से जुड़े सहयोग पर भी विचार–विमर्श किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह यात्रा प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण पर हो रही है और वह इसे उनके साथ व्यक्तिगत विश्वास के संबंधों को और मजबूत करने का अवसर मानती हैं। इससे पहले बुधवार को सानाए ताकाइची 16वें भारत–जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए टोक्यो से भारत के लिए रवाना हुईं।

क्या ईरान पर फिर हमला करेगा इस्राइल? नेतन्याहू बोले- जरूरत पड़ी तो पीछे नहीं हटेंगे

एजेंसी/इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संकेत दिया है कि यदि देश की सुरक्षा को खतरा महसूस हुआ तो इस्राइल ईरान पर एक और सैन्य हमला करने से पीछे नहीं हटेगा। उनका यह

बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के शुरुआती फ्रेमवर्क को व्यापक शांति समझौते में बदलने की कोशिशें जारी हैं। नेतन्याहू की चेतावनी ने साफ कर दिया है कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अपने रुख में कोई नरमी बरतने के पक्ष में नहीं है। तुर्की की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलु के अनुसार, इस्राइल के चौनल 14 को दिए इंटरव्यू में नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ पहले किए गए सैन्य अभियानों ने इस्राइल को संभावित परमाणु खतरे से बचाया। उन्होंने कहा, श्ईरान से हमने खुद को एटमी बमों से बचाया और अगर जरूरत पड़ी तो तीसरी बार भी ऐसा करेंगे।श उन्होंने दोहराया कि इस्राइल किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा और आवश्यकता पड़ने पर स्वतंत्र रूप से कार्रवाई करेगा। नेतन्याहू का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए बातचीत चल रही है। कतर की मध्यस्थता में हो रही इस वार्ता का उद्देश्य दोनों देशों के बीच दुश्मनी कम करना, प्रतिबंधों में राहत देना, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भरोसेमंद व्यवस्था बनाना और मध्य पूर्व में स्थिरता लाना है। रिपोर्टों के मुताबिक, प्रस्तावित ड्राफ्ट समझौते में सैन्य कार्रवाई रोकने, होर्मुज जलडमरूमध्य को सामान्य रूप से खोलने, प्रतिबंधों में चरणबद्ध राहत और ईरान के परमाणु कार्यक्रम की निगरानी के लिए एक तंत्र विकसित करने जैसे प्रावधान शामिल हैं। ईरान ने एक बार फिर कहा है कि उसका उद्देश्य परमाणु हथियार विकसित करना नहीं है, हालांकि इस मुद्दे पर तकनीकी स्तर की बातचीत अभी जारी है। इंटरव्यू में इस्राइल ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि यदि कोई समझौता उसकी सुरक्षा चिंताओं का समाधान नहीं करता और ईरान की सैन्य या परमाणु क्षमताएं बरकरार रहती हैं, तो वह खुद को उस समझौते से बंधा हुआ नहीं मानेगा। इससे संकेत मिलता है कि इस्राइल भविष्य में भी एकतरफा सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला रखना चाहता है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से क्षेत्र में तनाव बढ़ाने से बचने की अपील की है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

भीषण गर्मी से बेहाल यूरोप: 40°C पार तापमान, सड़कें पिघली, अस्पतालों पर दबाव, फिर भी AC का विरोध क्यों?

पेरिस, एजेंसी। यूरोप में इस समय बहुत तेज गर्मी पड़ रही है। कई जगह तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है। ऐसे में गर्म देशों से आने वाले लोगों के मन में एक सवाल उठता है कि यूरोप के इतने सारे घरों, विद्यालयं और यहां तक कि अस्पतालों में भी एयर कंडीशनर (एसी) क्यों नहीं हैं? वॉल स्ट्रीट जर्नलश (डब्ल्यूएसजे) की एक रिपोर्ट में इस बात की पड़ताल की गई है कि यूरोप में लंबे समय से एसी लगाने को क्यों नापसंदगी रही है। इसके पीछे जलवायु (क्लाइमेट) से जुड़े लक्ष्य, पुरानी ऐतिहासिक इमारतों को सुरक्षित रखना, शोर की शिकायतें और शहरों की योजना (अर्बन प्लानिंग) जैसे कई कारण हैं। अब इस सवाल पर और चर्चा होने लगी है, क्योंकि हाल की भीषण गर्मी ने यूरोप की व्यवस्था पर बहुत दबाव डाल दिया है। सड़कें पिघल गई हैं, ट्राम की पटरियां टेढ़ी हो गई हैं, ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई हैं, बिजली व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है और अस्पतालों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। कई देशों में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ी है। इसके बावजूद एसी के यूरोप का संबंध जटिल बना हुआ है। हम अमेरिका जैसा नहीं दिखना चाहते यूरोप के कई शहरों के योजनाकारों का मानना है कि इमारतों के बाहर लगी एसी की बड़ी–बड़ी मशीनें देखने में अच्छी नहीं लगतीं और ऐतिहासिक इलाकों की सुंदरता खराब कर देती हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, पेरिस की डिप्टी–मेयर ऑद्रे पुलवार ने कहा, हम ऐसा नहीं चाहते कि हमारे शहर कुछ इटली, ब्राजील या अमेरिका के शहरों जैसे दिखें, जहां इमारतों के बाहर एसी की लंबी–लंबी कतारें लगी हों, जो बहुत शोर करती हों और गर्मी व जहरीली गैसें छोड़ती हों। पेरिस जैसे शहरों में अगर किसी इमारत के बाहर दिखाई देने वाला एसी वहां की प्रसिद्ध पुरानी चूना–पत्थर वाली इमारतों की सुंदरता बिगाड़ता है, तो उसे लगाने की अनुमति नहीं मिलती। यूरोप के कुछ हिस्सों में एसी लगाना केवल घर के मालिक का फैसला नहीं होता। अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों को पहले अपने पड़ोसियों की मंजूरी लेनी पड़ सकती है। इसके अलावा, स्थानीय प्रशासन भी निर्माण के नियमों, ऊर्जा बचत के लक्ष्यों या शोर की वजह से दखल दे सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांस के कानून में इमारतों की सोसायटी को यह अधिकार है कि अगर एसी तय सीमा से ज्यादा आवाज करता है, तो वे उसका विरोध कर सकते हैं। यह सीमा लगभग हल्की हवा की आवाज के बराबर है। शोर से जुड़े मामलों के वकील क्रिस्टोफ सैंसन ने बताया कि उनकी कंपनी अब एसी से जुड़े 100 से ज्यादा मामलों को संभाल रही है। उन्होंने कहा, यह ऐसी आवाज है जो कंक्रीट की दीवारों के पार भी सुनाई दे सकती है। यह बहुत तेज होती है और लोगों को काफी परेशान कर सकती है। 32 साल के लूका फुनारो को एक दुर्लभ आनुवंशिक (जेनेटिक) बीमारी है। वह पिछले दो साल से पेरिस के मरे इलाके में अपने अपार्टमेंट की इमारत के आंगन में एसी लगाने की अनुमति लेने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उनके पड़ोसी बार–बार यह कहकर विरोध कर रहे हैं कि एसी बहुत शोर करेगा। यूरोप लंबे समय से एसी को ऐसी मशीन मानता रहा है, जो बहुत ज्यादा बिजली खर्च करती है और जलवायु संबंधी लक्ष्यों को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए वहां की सरकारों ने बेहतर इन्सुलेशन (दीवारों और छतों को ऐसा बनाना जिससे गर्मी कम आए), प्राकृतिक हवा, खिड़कियों पर शटर, ज्यादा पेड़ लगाने और शहरों को हराभरा बनाने जैसे उपायों को बढ़ावा दिया। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन पर अंतर–सरकारी पैनल (आईपीसीसी) का मानना है कि भीषण गर्मी के समय लोगों की सुरक्षा के लिए एसी सबसे प्रभावी उपायों में से एक है। वहीं, शहरों में हरियाली बढ़ाने या केवल वेंटिलेशन जैसी व्यवस्थाओं को लंबे समय तक चलने वाली गर्मी में कम प्रभावी माना गया है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की जलवायु वैज्ञानिक राधिका खोसला ने कहा कि देशों को बेहतर इमारतों की डिजाइन और एसी दोनों का इस्तेमाल करना चाहिए, केवल किसी एक पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा, एसी का इस्तेमाल वहीं करना चाहिए, जहां उसकी सच में जरूरत हो। इसे हर समस्या का पहला समाधान नहीं बनाना चाहिए। फ्रांस की जलवायु मंत्री मोनिक बारबू ने भी कहा कि हर जगह एसी लगाना संभव नहीं है। उन्होंने कहा, जो लोग कहते हैं कि हर जगह एसी लगा दो, यह सुनकर मुझे हैरानी होती है। क्या आपको लगता है कि इससे जंगलों में लगने वाली आग रुक जाएगी? क्या इससे फसलें सूखने से बच जाएंगी? 40 डिग्री गर्मी के लिए तैयार नहीं था यूरोप यूरोप की ज्यादातर सड़कें, इमारतें और दूसरी व्यवस्थाएं उस समय बनाई गई थीं, जब वहां 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान बहुत कम होता था। रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांस में केवल करीब 25 प्रतिशत घरों में एसी है, जबकि ब्रिटेन में यह संख्या केवल पांच प्रतिशत है। वहीं, इटली में लगभग 56 प्रतिशत घरों में एसी है। हाल की भीषण गर्मी के दौरान हजारों विद्यालय बंद करने पड़े, कई कारोबारों ने अपना काम कम कर दिया और रेल सेवाएं प्रभावित हुईं। आईएनजी (आईएनजी) के अर्थशास्त्रियों ने कहा कि इन हालात ने उन्हें कोविड महामारी के लॉकडाउन की याद दिला दी। पिछले हफ्ते पेरिस में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। 19वीं सदी से पेरिस में तापमान का आधिकारिक रिकॉर्ड रखा जा रहा है। तब से लेकर अब तक केवल चार बार ही तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचा है। ऑद्रे पुलवार ने कहा, हम हमेशा सोचते थे कि ऐसी स्थिति शायद 2030 के बाद आएगी। लेकिन अब हमें समझ आ गया है कि हम तो पहले ही उस दौर में पहुंच चुके हैं। जैसे–जैसे गर्मी बढ़ रही है, वैसे–वैसे एसी एक राजनीतिक मुद्दा भी बनता जा रहा है। फ्रांस की दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन ने पूरे देश में बड़े पैमाने पर एसी लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा, भीषण गर्मी लोगों की जान ले रही है। हमें पूरे देश में एसी लगाने की बड़ी योजना लागू करनी चाहिए। हालांकि, अब धीरे–धीरे लोगों की सोच बदलने लगी है। रिपोर्ट के अनुसार, इंग्लैंड में पोर्टेबल एसी की बिक्री और इस्तेमाल बढ़ रहा है। वहीं, लंदन के मेयर सादिक खान ने हाल ही में कहा कि विद्यालयों, अस्पतालों और दफ्तरों में लोगों को गर्मी से बचाने के लिए कूलिंग सिस्टम लगाए जाने चाहिए।

क्या फिर भड़केगा अमेरिका-ईरान तनाव? सैन्य कार्रवाई या बातचीत क्या है ट्रंप का प्लान?

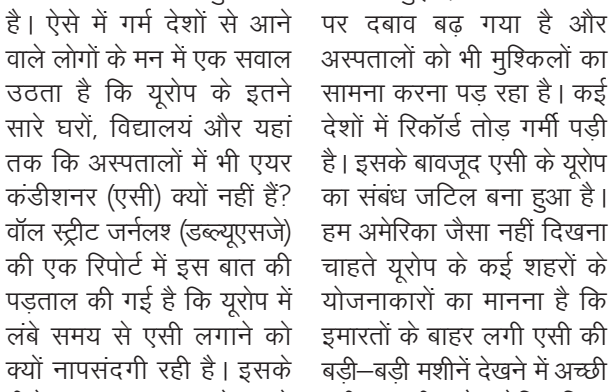

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो चुका है, लेकिन जिस तरह से हाल ही में दोनों ने एक दूसरे पर हमले किए, उसके बाद से तनाव फिर बढ़ गया है। साथ ही दोनों की बातचीत में भी समन्वय नहीं दिख रहा है। अमेरिका के दूत स्टीव विटकॉफ ईरान के साथ बातचीत के लिए दोहा में हैं, लेकिन ईरान ने किसी भी बातचीत से इनकार किया है। इससे साफ है कि दोनों देशों के बीच अभी पूरी तरह से मामला शांत नहीं हुआ है। इस बीच एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल के दिनों में ईरान के खिलाफ व्यापक सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू करने के विकल्पों पर विचार शुरू किया है, लेकिन फिलहाल उन्होंने कूटनीतिक वार्ता जारी रखने का फैसला किया है। यह जानकारी द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन के साथ कई दौर की बैठकें कीं। इन बैठकों में इस बात पर चर्चा हुई कि क्या अमेरिका को तेहरान के साथ बातचीत से हटकर फिर से व्यापक सैन्य अभियान शुरू करना चाहिए? उच्चस्तरीय चर्चाओं का मुख्य विषय यह था कि क्या वॉशिंगटन को ईरान के खिलाफ नए सैन्य हमले शुरू कर मिशन पूरा करना चाहिए। हालांकि, अधिकारियों के अनुसार ट्रंप का मानना है कि इस समय दोबारा सैन्य अभियान शुरू करने से जारी वार्ता प्रभावित हो सकती है और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करने संबंधी किसी ठोस समझौते की संभावना भी कमजोर पड़ सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप ने अपने सहयोगियों को संकेत दिया है कि अगर जरूरत पड़ी तो परमाणु समझौते के लिए तय 18 अगस्त की समयसीमा से आगे भी वार्ता जारी रखने पर विचार किया जा सकता है, ताकि कूटनीतिक प्रयासों को और समय मिल सके। रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल व्यापक सैन्य अभियान से दूरी बनाए रखने के बावजूद ट्रंप सीमित जवाबी कार्रवाई के पक्षधर हैं, अगर ईरान दोनों देशों के बीच मौजूदा समझौते का उल्लंघन करता है तो इस महीने की शुरुआत में हुए नाजुक युद्धविराम पर खतरा पैदा हो सकता है। ट्रंप और जेडी वेंस पहले ही दे चुके हैं धमकी ट्रंप ने पिछले सप्ताह संवाददाताओं से कहा, श्वे (ईरान) मेरी हर शर्त मान रहे हैं और उन्हें ऐसा करना ही होगा। वरना, हमें वही करना पड़ेगा जो जरूरी होगा।श अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी मंगलवार को फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में इसी रुख का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन बातचीत जारी रखेगा, लेकिन अगर कूटनीतिक प्रयास विफल होते हैं तो उसके पास कई अन्य विकल्प भी मौजूद हैं। बातचीत पर भी संशय से बढ़ी अनिश्चितता रिपोर्ट के अनुसार, इसी बीच ट्रंप के मध्य पूर्व मामलों के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर दोहा पहुंचे हैं, जहां कतर की मध्यस्थता में ईरानी प्रतिनिधियों के साथ अप्रत्यक्ष वार्ता का एक दौर प्रस्तावित है। हालांकि, अमेरिकी कूटनीतिक प्रयासों के विपरीत ईरान ने मंगलवार को साफ किया कि हालिया तनाव बढ़ने के बाद दोहा पहुंचे अमेरिका के शीर्ष दूतों के साथ उसकी कोई बैठक प्रस्तावित नहीं है। ईरान के इस रुख से दोनों देशों के बीच स्थायी शांति समझौते की संभावनाओं को लेकर नई अनिश्चितता पैदा हो गई है। ईरान की ओर से रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर सेवा शुल्क लगाने की मांग और उसके परमाणु कार्यक्रम पर लगाए जाने वाले प्रतिबंधों को लेकर दोनों पक्षों के बीच मतभेद शामिल हैं।

भारतीय समूहों और सांसदों ने नागरिकता पर कोर्ट के फैसले का किया स्वागत, क्यों कहा ऐतिहासिक कदम?

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय–अमेरिकी अधिकार समूहों और सांसदों ने अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले का स्वागत किया है। इस फैसले में कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जन्मजात नागरिकता को प्रतिबंधित करने वाले कार्यकारी आदेश को रद्द कर दिया गया है। इसके साथ ही यह बरकरार रखा गया है कि अमेरिकी धरती पर पैदा हुए लगभग सभी बच्चे नागरिक हैं। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने 150 साल पुरानी नीति को समाप्त करने के ट्रंप के प्रयास को खारिज कर दिया। उनके कार्यकारी आदेश का उद्देश्य अवैध अप्रवासियों और अस्थायी विदेशी निवासियों से पैदा हुए बच्चों को स्वतः अमेरिकी नागरिक बनने से रोकना था। नागरिक संगठन इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट के कार्यकारी निदेशक चिंतन पटेल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला श्इस बात की एक महत्वपूर्ण पुष्टि है कि अमेरिका में किसका स्थान है। पटेल ने कहा, ट्रंप के कार्यकारी आदेश से सबसे अधिक सीधे तौर पर प्रभावित होने वाले लोगों में भारतीय और दक्षिण एशियाई आप्रवासी परिवार शामिल हैं। ये ऐसे समुदाय हैं, जो वीजा के लिए लंबी प्रतीक्षा सूची और अनिश्चित आप्रवासन समय–सीमा का सामना कर रहे हैं, जहां अक्सर बच्चे अपने माता–पिता के स्थायी निवास का स्पष्ट मार्ग मिलने से बहुत पहले ही यहां पैदा हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने उन परिवारों को देखा और कहा, श्आपके बच्चे अमेरिकी हैं। वे यहीं के हैं। भारतीय–अमेरिकी समुदाय के एक प्रमुख नेता ने क्या कहा? भारतीय–अमेरिकी समुदाय के एक प्रमुख नेता अजय जैन भुटोरिया ने इस फैसले को श्ऐतिहासिक जीतश बताया। उन्होंने कहा, श्सर्वोच्च न्यायालय के 5–4 के फैसले ने उन आप्रवासी परिवारों के जन्मजात नागरिकता अधिकार की रक्षा की है जिन्होंने यहां अपना जीवन स्थापित किया है। अमेरिका अपनी 250वीं वर्षगांठ की तैयारी कर रहा है, ऐसे में यह निर्णय आप्रवासियों द्वारा मजबूत किए गए राष्ट्र के रूप में हमारे इतिहास का सम्मान करता है। कितने लोग रोजगार–आधारित ग्रीन कार्ड के लिए लंबित है फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) के अध्यक्ष और नीति एवं रणनीति प्रमुख खंडेराव कांड के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय के फैसले ने उन लाखों परिवारों को बेहद जरूरी निश्चितता दी है, जिन्होंने अमेरिका में अपना जीवन स्थापित किया है। उन्होंने कहा, श्भारतीय–अमेरिकी समुदाय, जिसकी संख्या अब लगभग 52 लाख है, में 12 लाख से अधिक उच्च कुशल पेशेवर और उनके परिवार के सदस्य शामिल हैं जो वर्षों से रोजगार–आधारित ग्रीन कार्ड के लिए लंबित हैं। भारतीय–अमेरिकी सांसदों राजा कृष्णमूर्ति, प्रमिला जयपाल और सुहास सुब्रमण्यम ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए ट्रंप के कार्यकारी आदेश को पूरे देश में अप्रवासियों के बच्चों से नागरिकता छीनने का एक स्पष्ट और असंवैधानिक प्रयास करार दिया।

वेनेजुएला: भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1943 हुई, 10 हजार से ज्यादा घायल, लापता लोगों की तलाश जारी

काराकास , एजेंसी। वेनेजुएला में हाल ही में आए दो भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने बताया कि भूकंपों से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,943 हो गई है। वहीं, 10,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। सरकार ने सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में आपातकाल घोषित कर दिया है। वहीं, राहत एवं पुनर्वास कार्यों में सहायता के लिए सशस्त्र बलों को तैनात कर दिया है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, विस्थापित परिवारों के लिए आश्रय स्थल स्थापित किए गए हैं और चिकित्सा दल घायलों की देखभाल कर रहे हैं। सोमवार की सुबह वेनेजुएला के काराकास और ला गुइरा शहरों के पास एक और 4.2 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। उन्हें इमारतों से निकलकर खुले स्थानों की ओर जाते देखा गया। यह घटना क्षेत्र में कुछ ही दिनों पहले आए दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद हुई है, जिन्होंने इस क्षेत्र में भारी तबाही मचाई थी। वेनेजुएला के आधिकारिक भूकंपीय अनुसंधान फाउंडेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, कैरेबियन सागर में आए भूकंप का केंद्र ला गुआइरा राज्य के तट से महज 10 किलोमीटर दूर स्थित था। यह वही क्षेत्र है जो बुधवार को आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के भूकंपों से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ था। नवीनतम आफ्टरशॉक स्थानीय समयानुसार लगभग सुबह 9रू30 बजे आया, जिससे पहले से ही सहमी हुई आबादी में दहशत फैल गई। राजधानी काराकास और तटीय शहर ला गुइरा में इमारतें हिलने लगीं, जिसके चलते निवासी अपने घरों और कार्यस्थलों से बाहर निकल आए। कई लोग इमारतों के और ढहने के डर से पार्कों, चौकों और अन्य खुले स्थानों पर जमा होते देखे गए। स्थानीय निवासी ने क्या बताया? ला गुएरा की निवासी मारिया लोपेज ने स्थानीय मीडिया से बात करते हुए कहा, श्हम बहुत डरे हुए हैं। बुधवार से हमने ठीक से नींद नहीं ली है। हर झटके से हम बाहर भाग जाते हैं।श दहशत के बावजूद, अधिकारियों ने कहा कि सोमवार के भूकंप के बाद किसी अतिरिक्त क्षति या हताहत की कोई सूचना नहीं मिली है। भूकंप के बाद रोड्रिगेज ने कहा, श्देश के किसी भी हिस्से में अतिरिक्त नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं है।श उन्होंने नागरिकों से शांत रहने और आधिकारिक निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया। बुधवार को आए दोहरे भूकंप के बाद वेनेजुएला अभी भी उसके प्रभावों से जूझ रहा है, ऐसे में यह आफ्टरशॉक आया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।